A.C. Joshi Library
P.U. Chandigarh

MSS No. 284 Subject Hindi

Name of MSS बिहारी सतसई

Author

Period Folios 22

Script DEVANAGIRI Source Prithi Pal Singh

Missing Folios

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

A. No. 284

ॐस्वस्तिश्रीगणेशायनमः अथविहारीसतसयाटीकालिख्यते कवित्त दरसनपरसदरसजायतभागतिन्हेरसाकहैदरसनपरसपानजासुको लक्षियतसुजसप्र
तसस्वतनिसनसों नसकैरितराजधवकेविलासको लक्षलक्षगुनकवरामजेसुलक्षनतेदेतकववदमैहरतजमत्रासको भागउदयकीवेकेविरणास
वनीकेदेतनागमवजीकेमनरागमयदासको १ दोहरा नमोअमयरनीधरनिधरतसमुद्रनसाथ ताहधरततुमधन्यहैफतेसिंहनरनाथ
२ अथमंगलाचरनमूलदोहरा मेरीभववाधाहरोराधानागरसोय जातनकीझांईपरेस्यामहरतदुतहोय १ टीका कविकोवचन यादो
हामैअसीर्वादात्मकमंगलाचर्नकीयोहै सोमंगलाचर्नकहिवेकोप्रयोजनकहितहै कवनेविघननिवारनहेतमंगलाचर्नकीयोहै क्रिग्रंथमै
विघ्ननपरे ग्रंथकरबेमैदुःखश्रादरिद्रवाधकहै दूरहोय कितनेकग्रंथतोअैसेहैंजिनमैमंगलाचर्नकहैहैतेपूरेनहीभए कितनेक
अैसेहैंजिनमैमंगलाचर्ननहीकीयोबेपूरेह्वैगए अथवाइयाग्रंथमैश्रीव्रषभाननंदनीकोनंदनंदनकोश्रृंगारवर्ननहायकोमैरामनविकार
कोनप्राप्तहोय यातेकवनेसांतरसमैमंगलाचर्नप्रथमहीकीयो जोराधानागरहैसोहमारीभववाधाजोहैवारवारजन्मलेनो सो
दूरिकैताकोहरो कैसीतुमभक्तवत्सलहौ भक्तकोदुखदेषतुमैदयाआवतहै यातेमेरीभीभववाधाहरो अकतुमारोकैसोजसकहितहैं जातनकी
झांईपरे जिसतुमारेतनकी झांईजोहैप्रतविंवकिंवाछविहमारेविषेध्यानमैपरे सोझांईतेहमारोस्यामजोअंधकारहैअज्ञानकोछिदमैसोह
रतदूरहोय इतजोहैप्रकासज्ञानदीपककोहोय प्रस्न राधांनामश्रोरहूगोपांगनाकोव्रजमैह्वैहै व्रषभाननंदनीकैसेजानीए उत्तर अज्ञा
नअंधकारकेहरनकीज्ञानदीपकेप्रकासकरनकी समर्थतावाहीमैहैजोव्रषभाननंदनीहै सोराधाभववाधाकोहरो जातेउनकोअंधकारह
रेहोतहै यामैव्रषभाननंदनीकीप्रतीतभई अोरप्रस्न प्रथमराधांकोमंगलाचर्नकेंगोकीयोकृस्नदेवकाकोंनकीयो जोराधांकेपतहैं उत्तर
ईहाकवकीविनतीहै अपनीअधमताकीअधकाईध्वनिसोप्रगटावतहै किमैवडोअधमहौं सोजितनोमैवडोअधमहोतितनीयावडीभववाधा
हैसोमै प्रयोजनयहिवाकेहरवेकोकोऊवडोसमर्थचहीए तवयानेविचारीकिनरवाधाकोसरहरतहैं सरवाधाकोसरेसहरतहै सरेस

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

कीवाधाकोवृस्मादिहरतहै विपताताससेंकाहितहैं वृस्मादिककीवाधाकोनासहरतहै जवस्रीलालहूकोवाधाहोतहै तवस्रीराधाजूहरतहै वाविन
कोऊनहीहरत सोराधानागरमेरीवाधाकोहरो जिनकेइकछिनकेविरहितेस्रीलालव्याकुलह्वैजातहै फेरउनकोदेखकेगातमैप्रफुल्लतहो
तहैं जोराधातीनभवनकेनाथकीवाधाहरनजोगपहै सोईमोसेअधमकीवाधाहरो याकोअर्थसवदतेकहितहै जातनकीझांईपरे त्रि
सकेतनकीझांईपरेतेस्यामजोहैलालदेवतिनकीउतिसोभाहरतहोतहैक्याहरीहोतहै उहिइहीहोतहै अर्थकिसानंदहोतहैं रसप्रकारसवो
परपर्मेरसरूसखकर्नजान्यो यातेइनहीकोप्रथममंगलाचर्नकीयोहै ताकप्रसंगआरहै यामैअसीरवादकोलछनकहोहै जातेआसी
र्वादात्मकमंगलाचर्नहोय जपसव्दतोनही उत्तर मेरीवाधाकोसोराधाहरो जोवृखभाननंदनीहै अरुजिनकेतनकीझांईतेस्यामकी
उहिइहीसोभाहोय पहिकवकोआसीरवादहै जातेलालदेवसदासानंदरहो जैसेपाछेसानंदभयाहैतैसेसदाहोहु यामैकाव्यलिंगअ
कार लछन जहाजुक्तसोंअर्थसमैंर्थनकरीए तहाकाव्यलिंग ईहाभववाधाहरनकोसमर्थजुक्तसोराधाजूकोकह्यो यातेकाव्यलि
ग वाधाराधामैछेका सोपसव्दकेव्यंगतेहेतअलंकारपरअर्थहोय सोपक्योसोराधानागरभववाधाहरो कोनलीव्यंगय
हिजाकोपीतरंगहै कनकांगी कैसीहैजिनकेतनकीझांईपरते स्यामकीहरीउतहोतहै याअर्थमैहेतअलंकार लछन कारनजहां
कारजकेसहितहोयतहाहेतअलंकार पीतरंगीराधास्यामपीयराहेत हरारंगहोनोयहिकारजभयो यामैप्रस्नहै कारनकोरं
गऔरहै कारजकोरंगऔरभयो तोविखमाअलंकारक्योनहोय उत्तर जहाकारनकेरंगतेकारजकोगुनविरुद्धभिन्नरंगहोयतहा
विखमहोतहै यथाखरसहस्र लोहतरवारसेतजसऊगलतहै ईहाकारनकारजकोगुनविरुद्धहैं स्यामवस्तुस्यामहीकारजहोतहै सेतकरा
चितनहीहोत ईहालोहतरवारस्यामतातेसेतजसनिकस्योयहिगुनविरुद्धकारनकारजभावमैं अरुपीतस्याममिलहरयोरंगहोतहीहै



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

२
वि॰ स॰
५

जहाकविकीप्रीतदेवतामैंप्रगटे तहांदेवरतिभावध्वनि जहांराजामैं

मैंभावध्वनिहै सोद्वैप्रकारकी राजरतिभावध्वनि देवरतिभावध्वनि
प्रगटेतहांराजरतिभावध्वनि ईहांकविकीप्रीतसाक्षातदेवतामैंप्रगटहै जोवर्ननक्रियायातेदेवरतिभावध्वनिभई विभावादिकनकैतेनिरपेक्षहै॥
ईहांएकप्रस्नश्रोतासवहै कियहिस्रृंगारप्रधानग्रंथहै तोप्रथमस्रृंगारपक्षअर्थचहीए उत्तर स्रृंगारपक्षअर्थ नायकाकोमानहै वाकोनायकमोचनकरावतहै सोमै
पायमानमोचनपक्षअर्थ मेरीभोवाधाहरोराधानागर मेरीपदकीअन्वैराधानागरसों अन्वैलक्षन अन्वैपदसंवंधकोनिकटरहैकैदूर अर्थकरतमिलजा
यजहांकहितसकवमतभार १ अर्थ नायककोवचननायकासों हेमेरीराधानागरिभोवाधाहरो तुमारामानदेसहमादेमोकहीभयजोगयोहै ति
सकरकेजोभईहैवाधापीराहमकोताकोतुमहरो दूरकरो अर्थकिमानत्यागो कहाकरकेपीराहरोसायकहीएसयनकरके जिसतुमारेतनकीझांईजवहमारेतनमैं
मिलापसमैमैपरेतेस्यामकहीएस्रृंगाररसताकीसोभाहरतप्रफुलतहोतहै योअर्थ सवयामैतीनप्रस्नहै एकतोप्रस्नयहिहै ईहांनायकनायकाप्रतक्षहै
यामैजातनकीझांईपरे यहिपदनहीवनत यहितोपरोक्षमैचहीए दूजोप्रस्न स्यामपदतेस्रृंगारकोअर्थकैसेकरतोहो स्यामनामतोस्रृंगारकोन
हीहै वाकोतोरंगस्यामहै नामस्यामनहीहै तीजोप्रस्न अर्थमानमोचनकोकीयो सोमानकहाछुट्यो तहांक्रमसोंउत्तर प्रथमजा
तनसब्दकोपरोक्षमैचहीए प्रतक्षनचहीए योअर्थकीजे जकारयकारएकहीहै कवप्रीआपोंयथा वक्रयजएकेलेष सवदकोअर्थ या
तनकीकहीए इसतेरेतनकीउद्दीपनहै याकीझांईपरेतेस्रृंगारप्रफुल्लतहोतहै दूजेप्रस्नकोउत्तर स्यामरंगहीतेस्रृंगाररसलैनो स्याम
रंगवारोस्रृंगारपक्षवतहोतहै पुनःप्रस्न स्यामरंगतोवहुतवस्तुनकोहै तेईक्योनलीजे केवलस्रृंगारहीक्योलेतहो उत्तर दोहामैतनकीछवकहीहै
सोतनकीसोभामैंअवलोकनवोलनपररंभनइत्यादिसर्वहैं सोएउद्दीपनस्रृंगारहीकेहैं औरवस्तुकेनहीं स्रृंगारकेउ
द्दीपनविभावहै इनतेस्रृंगारहीहोतहै यातेस्यामरंगतेस्रृंगारहीकीप्रतीतभई सवयामैएकप्रस्नहै स्रृंगारकोना
मवाचअर्थमैनही स्रृंगारकोअर्थकिसकेवलकरलेतहो उत्तर ईहांलक्षनावृत्तकरअर्थहै अवधावृतकरनही लक्षनालक्षन रसरहस्ये यथा दोहा मु

२
वि॰ स॰
५

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

1A यामैकारनकारजकोगुनविरुद्धनहीहै यातेहेतहीहै विसमनहीहै उनिकीप्रवलताकोजावर्नहोय तोतदगुनाअलंकारवरनर्थहोय सो
राधानागरीवाधाहरो कोनसीजाकोप्रकासदामनीसोप्रवलहै काहेतेजानीजिसकेतनकीझांईपरेतेस्यामकीजोहैउतसोहरतहोत
है क्याहरीजातहै अभिप्रायपहि किराधाकेतनकीझांईवीजुरीसीहै वाकेपरेतेस्यामकीसोभाहिरायमानहोतहै छपजातहै वीजुरी
केपरेवीसभसोभाछपतहै झांईकेपरेवीस्यामगोरव्हैजातहै वीजुरीसीझांईपरेस्यामकीउतिछपीयामेवाचकउपमानलुपताहै सो
वाचकनहीवीजुरीउपमाननही पदारथकोछपजानोसाधारनधरमहै झांईउपमेयहै गोरझांईतेगोररंगभयो यामैतदगुन लछन
तदगुननिजगुनतजतजहांसंगीकोगुनलेय भाषाभूषनटीकायांयथा दोहरा दंपतवैठेकुंजमैपरेजुअंगउदोत राधाभासेसां
वरीमोहनगोरोहोत श्रीवत्सपदअर्थ राधानागरजोहैश्रीवत्ससोमेरीभववाधाकोहरो श्रीवत्सकैसेहै जिनकेतनकीझां
ध्यानमै ईपरेतेस्यामपापदूरहोय उतिप्रकासवढे यामैप्रस्न स्यामकेदरसनतेपापदूरहोय यहिदरसनकोफलवडोनहीनिसस्यामअर्थमै दरस
नकेपुन्नतेमुक्तभयोचहीए पापतोनामहीतेदूरहोतहै उत्तर जातनकीझांईपरेस्याम जिनकेतनकीस्यामझांईजिनकेध्यानमैमैंपरे तिकहीएतेजीवह
रिहीकीउतहेतहैक्यावाहीकेरूपव्हैजातहै सारूपनामामुक्तकोपावैहै ईहांहुतदगुन हरझांईतेहरभयोअपनोरूपगयो औरप्रस्न जगतमैतीनप्र
कारकेकवहै उत्तममध्यमअधम जेपरमारथकेपथकोजोहतहैतेउत्तम जोपरमारथस्वारथजोहतहैतेमध्यम जेस्वारथहीको
जोहतहैतेअधम ईहाकवकीप्रीतस्वारथहीमैभईतोअधमजानो जोकहितहैमेरीवाधाहरो उत्तर योअर्थ मेरीभववाधाहरो मेरीवाधाको
अभिवसंसारकोनामहै संसारकीवाधाकोहरो पुनः प्रस्न यामैस्वारथपरमारथअरातोमध्यमजानो अरुपुरुषपरमारथहीकोचाह
तहै उत्तर ऐसेसिंधांतअर्थकीजे मेरीभववाधाहरो हेराधानागर भवकहीएजगतविषेमेरीकहीएममताकीजोहैवाधापीरातांकोहरो
दूरकरो ममतातेसर्वपीराहोवहै सोवातेजगकोसपीकरो याअर्थमैनिर्केवलपरमारथहीप्रष्टभयो तातेउत्तमकवसचनभरा पा

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

तेरेतनअतसयअन्नतहै जामैनायककोरंगमिलवेस्यामहोतहै व्यंगयहिकिउनकीवेनीजावीहै तोउनसोंमाननचहीए ईहांहनुमानमोचनमैप्रस्नहै उत्तर याअर्थकी
जे पर्वाहूमैतासीकोवचन फेरनायकावोली हेसखी जातनकीगांईपरेस्यामहरत जिनकेतनकीगांईपरेते स्यामहरतकहीताडहिडहीस्याम अर्थाकितांनं
नंदवीअरुस्यामवी दुतिहाय याकोअर्थ दुकहीए द्वितीयजोहैतिकहीसखीसोंहोतहै व्यंगयहिकेइनकीहमसोंप्रीतनहीं दूसरीतीयसोंप्रीतहै जापेइनकेत
नकीगांईपरतीहै सोयानेनायककहूअन्यनायकाकेनिकटदेखेहैं जोकहितैहै दूसरीतीयहोतहै गांईतेस्यामडहिडही आनंदजुत यामैमध्यममानसूचन
भयो पुनःप्रस्न मध्यममानतोतवहोयजववातकरतेदेखे अन्यकेनिकटदेखेवातनकोकरनोसूचननहीभयोतोमध्यममानकीपुष्टतानहीहैं उत्तर स्याम
डहिडहीहोतहै वाहीमैवातकरतजाने स्यामतोगांईतेभई यामैतोनिकटवैठ्मैदेखैहैं वाकायहिजतायो अरुवहिआनंदजुक्तहोतहै यामैवातसूचनकरीकि
उनकेवार्ताकहितहुते उनकीवार्तासुनकेवहिआनंदसोंहोतहै यहिडहिडहीपदयाहीतेपुष्टभयो निकटवैठनकोअर्थ[illegible]तोस्यामपदहीतेआवतहै डहिडही
वातसूचनकरी कैसेआनंदतोतवहीहोयजववासोंकोमलवचनकहै ईहांडहिडहीमैलक्षनाचाहै डहिडहीप्रफुलतकोअर्थहै सोसखीकोफूलवोअसंभवहै ल
ताकोसंभवहै तवलक्षनातेहर्षजानीए व्यंगयहिकिवाकोकोमलवचनोकरकुचहीयोहै यहिगढलक्षनामूलव्यंगहै यथारसरहस्ये दोहा ववस्त
हूदैजाकोलखैव्यंगसुकहीएगढ जोकोसमकोईलखेसोपुनहोयअगढ ईहामध्यममानमोचन हेतअलंकारसखीकेमनातेमानतज्यो औरअर्थ कवकोवच
न सिवसोंप्रार्थनाकरतहैं मेरीजोहैममतातिसकीजोहैवाधापीरताकोभवत्रोहैंमहादेवसोहरो कैसेहैसिव राधाकोअर्थ आराध्यहैजो आना
गरचतुरहैं किंवानागरकोअर्थअजरअमरजोहैं अर्थातेअवनासीजोहैं किंवानागरसोय याकोअर्थ सोईनागरहैजिन्होनेभवकोआराध।
है कैसेहैंभव जिनकेतनकीगांईपरेतेध्यानमै स्यामजोहीताकोअंधेरोहै सोदूरहोतहै तहाप्रकासहोतहै क्योंजिनकेतनकीगांईस्वेतहै यातेस्यामअं
धेरोदूरहैजातहै स्वततातेमनमैप्रकासहोतहै मनकेअंधकारकेहरनवारीसिवकेतनकीगांईताकोउक्तसोंसमर्थनकीयो यातेकाव्यलिंग गांईपरे



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

2A

न्अर्थकेबाधतेपुनताहीकेपास अेरअर्थजातेनसेवकेहैलछनातास वाच्यअर्थकोबाधेहापन्नहावाकेपासतेअेारअर्थलीजे जिसतेवहिअर्थजानीरासोलछना स्यामरं
गकेप्रफुलतहैवोअसंभवहै लछनातेस्यामरंगवारोअंृगारलीजे परईहासाध्यवसानालछनाहै ताकोलछन सभाप्रकासे सोपमानजहारीततहैरोप्यविसेनहीहोय सो
प्यविसेजान्योपरेसाध्यवसानाहोय ईहासोपमानअंृगारकोस्यामरंगनसोताकसोवाच्यमैं अरुरोप्यविवेजोहैअंृगारसोनहीहै सोसाध्यवसानालछनातेजान्यापरत
है जाकोआरोप्यकीजेसोरोप्यमान जामैआरोपकीजेसोरोप्यविषे तीजेप्रस्नकोउतर मानकहाघटैप्रा येअर्थकीजे नवनायकनेकह्योहमारोविसेतेभयकीवाधास
यनकरकेहरा तवनायकावोलीकाकुकरकहितहै तुमारेतनकीमंाईपरेतेहमारेविषेस्यामअंृगाररसकीहरतउतिकहीरा इहिडहीसोभासेहोतहै मूर्थकिनहातहै
ध्वनिपहिहेकिअंृगारमात्रतोहोततहै वाकीडहिडहीसोभानहीहोत कोंाअनेकनसोंप्रीतकरतहें जोएाकहीसोंसदाप्रीतिहोयतोअंृगारकीडहिडहीसोभाहोय ठारकर
नाप्रीतकरतहेंपामैअंृगारकीसोभाडहिडहीनहीहोत अंृगारतोहोतहीहैजासोंजहामिलतहेंातहा व्यंगयाहिकितुमसोंकहासयनकीजे प्रपंची
हो यामैमाननोचनभयो तीनोप्रस्नोकेउत्तर अवाकप्रलीनअेारहैं ईहामानमोचनभयो सोमानतीनप्रकारकोहै ईहांकोनसोमानमोचन
भयो उत्तर जिसमानकोभयनायककोभयो अरुउनहीकेमनातेमान्यो यातेलघुमानजान्यो पुनःप्रस्न नायकसापराधकैसे
जाने यातेलघुमानभयोहुतो उत्तर भयवाहीकोहोतहैजोसापराधहोतहै अरमानतोतवहीहोयजोजवनायकानायकवोसाप
राधदेखतहै वाकोउअलंकार उत्तरतेउत्तरालंकारहुहै भावसोतहै कोपसंचारीकीसांत नायकाप्रौढा जानेकहोगांईतेअंृगारकी
डहिडहीसोभानहीहोत यामैयहिवातकवचनभई कियहिडहिडहीसोभाअंृगारकीचाहतहै यातेप्रौढा सखीकीउक्तपैवीलिणहै द्वि
तीयअर्थ मेरीभो हेरत्यांतंमेरीभोक्यामेवीहोइ अर्थकिजोमैकहितेहोसोमानमानकीवाधाकोदूरकर नागरजोकसेहैतिनसोंमोयकरकेसयनकरैसखिके
वैसेहकसहैं जिनकेतनकीगांईपरेतेरेविषेविहमससमेमैं तितगांईकेपरनेतेतेरेतनकीसोभास्यामअंकडहिडहीहोय सखीनेचातुर्जतावरदोउनकेमन
कीसोभाकनी नायिकाकोयहिजितायो किस्रीललकेतनकोअेसोपकासहै जातेतेरेगौररंगकीस्यामप्रभाहोतहै यार्केतनकीउक्ततयहिवि

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वि॰ स॰ ४ ५

रेमैक्यादुतिहै अंधेरेमेस्यामताहोतहै दुतमैप्रकासहै दोऊअन्कोसंबधकैसेवनेराकठोर उत्तर दुतिकोअर्थयेंकीजे ईहादकारतकारलघुतेदी
र्घकीजेअर्थकेलीए यथा ह्रस्ववउक्त गुरलघुलघुगुरहोतहैनिजइछाअनुसार दु कोदूभयो तिकोतीभयो दूतीपदभयो हेदूतीनायकक
हितहै राधाजीकीगांईविनमोकोअंधकारहोतहै तंहमानीबाधाजायकहु तहाओरप्रस ऊतीसेंनायकनेकहो किजायकेमेरीअवस्थाकहु
तहाअन्तीरे ऊपरीघराईदूतीकोनघरमैप्रवेसकरनदेतहै अरुराधांतोवृखभानराजाकीपुत्रीहै तहायाकोप्रवेसकैसेहोय तहाउत्तर ईहाविरहीकीउक्तमै
याप्रसकोदूषननही क्योविरहीकोचेतन्यतानहीहोत कियातेयहिकारजहोनोहैकिनहीहोनो यहियाकारजलायकहै किनहीहै यहिविचारविरह
हीकोनहीहोत मेघदूतकाव्यमैमेघनहीकोसंदेसेकहितहै विरहिमै सोकहोमेयसंदेसेकहितहै नहीकहितहै क्योंवक्ताकोचेतनतानही यातेप्रसकोदोस
हूनही पुनःप्रस जोनायकमै अचेततहै तोदूतीकी सधकैसेभई कियहिदूतीहै यहिमिलापकरहै ओरहूकोक्योनकह्यो किसुमेघवतको उत्त
र ईहादूतीनायकाईकीहै जासोंकसकहितहै तंहमानीअवस्थाकही पुनःप्रस नायकाकीदूतीकैसेजानी यहिकहिनावततोसर्वसोंहोतहै अ
पनीसाहूहोतहै तहाउत्तर ईहानायककीदूतीनहीहै नायकाईकीहै जाकोनायककहितहै तंमेरीभव अपनीकोयोंकहिनोअसंभवहै अपनीतोअपनीहोतहीहै
यातेसर्वअर्थलगो याअर्थ यामैहेतअलंकार दुतकोपकेहोनोकारन नेत्रनआगेअंधेरोहोनोकारज नायककोअभलाखदसा नायकाकीविरहिपरअर्थकीअम
कायोकीजे नायकाकोविनमनप्रत मेरीभववाधाहरेनाधानागरसोय मेरीवाधाकोकहीरापीराको भवजोहैऊतपतहोनोताकोराधाईकेजोनागरहै अर्थी
कमेरेईजोनागरहैसोईहरेनाहरकरो कैसेहैमेरेनागर जातनकीगांईपरेस्याम जिनकेतनकीगांईते स्यामअंधकार परे दूरहोय अरुहरतकहीएदिसामैजिन
कीगांईतेदुतप्रकासहोय अैसोजोमेरोईनागरहै सोईसपीराकेभवकोहरो नागरपदकोचमतकारहै किवेमेरेनागरहैं जिनकेतनकीअदभुतगांईहै स्या
मगांईतेअंधकारजाय प्रकासघटे यहिअदभुतगतहै गांईकोगुनवर्ननकीयो यातेगुनकथनदसा स्मृतसंचारी मनमैविचारतहैयाते ईहाएकप्रस याकेवकिवेकोप्रयोजन
कहा उत्तर ईहानायकाकोविरहिहै सखीनहीजानत पीरजानकेऊपचारकरतहै किवाकपीराहैयाको ऊन ऊपचारनतेपीरोगई नहीं यातेनायकामनमैकहित

वि॰ स॰ ६

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

अंधेरोगयोयामैंहेतअलंकार यामैंदेवरतभावध्वन जोयाअर्थमैंनायकाकीउक्तहोय तोप्रोषितपतिकापरअर्थ विरहनीकोवचनहै अर्थवहीहै यामैंग्रंथकारवियो
गकोलैनो सोसिवकेध्यानतेदूरहोय अरुसोभाप्रकासे व्यंगयहिकिनायकमिलेमोको सोभातवहीप्रकासैजवहंजोगहै सोसिवकेध्यानतेमोकोयहि
फलप्रापतहोय यामैंप्रस्न यानेसिवकाहेतेमनाए औरदेवताकौंतजे श्रीलालचंदहीकोध्यानक्योंनकीयो जिनकोविरहहैयाको उत्तर मनवांछा
केफलकोसंकरस्वामीहीदेतहैं यथारामायने तुलसीदासकृतउक्त चौपईछंद इच्छतफलविनसिवअराधे काहूनलयोजोगजपसाधे यहिविचा
रकेनायकासिवकोध्यानकरतहै किमेरीमनवांछासिवसफलकरेंगे यहिहेत औरदूहेतहै विरहनीकोकामउद्दीपकहोतहै सोसिवजीने
जरायोहै योंनउद्दीपनउसदहै वाकोभछकसमर्थसोसिवहीकेअंगकोहै यातेसिवसोंप्रार्थनाकरी यहिप्रोषितपतकाकोअर्थ नायककीविर
ह्रिपरयाकोअर्थ योंकीजे नायककोवैनसखीसोंहै हेसखीमेरीभव तूमेरीकहु अर्थकिमेरोकहोमान वाधाहेराधानागरसोय तेरा
धासोंजायकेयहिकहु हेराधा नागरजोलालहैं उनकीवाधाकोहरोसोयसयनकरके वेतेरविरहिमैंव्याकुलहैं तूंदर्सदेय यहिजायकेकहु नायकसिखाँव
ततहै सखीको अरुतूंकहीश्रीराधकाजुको हेश्रीराधकाजातनकीकहीए इसतनकीगांईउनतेपरेहैदूरहै दिखाईनहीदेत याहीतेउनकोहरतकहीए दिस
मैंस्यामअंधकारहीकीदुतहोतहै यहिहमारीअवस्थाकहु किंवानायकहीआपनीअवस्थाआपकहितहैं हेसखी जातनकीगांईपरे जिसराधाके
तनकीगांईहमारेतेपरेहैदूरहै यातेहमको स्यामहरतउतहोय हरतकहीएदिसामैंस्यामकहीएअंधेरोताकीदुतहोतहै वाकीदुतविनाअंधेरोहै ह
मको तूंजानतहैं सोतूंराधाजीकोजायकेयहिकहु उनकीयीराहर ईहापूर्वानुरागहै प्रस्न पूर्वानुरागद्वैप्रकारकोहै एकस्रुतानुरा
गहै एकद्रष्टानुरागहै ईहाअनुरागकोनसोहै उत्तर यामैंद्रष्टानुरागहै स्रुतानुरागनहीहैं प्रस्न यहिकाहेतेजानीजोस्रुतानुराग
नही अरुद्रष्टानुरागपुस्टकोनभांतभयो उत्तर नायकनेकह्यो राधांकेतनकीगांईविनाअंधेरोहोतहै यामैंयहिध्वनिभई गांईतनकीदेखीहै जाकेविनदेखेअं
धेरोभयो यातेद्रष्टानुरागपुस्टभयो कथ्यगुनोकोश्रवननहीभयो यातेस्रुतानुरागनही योंभाव यामैंएकप्रस्नहै अंधेरेकीदुतहोतहैयहिकह्या अंधे

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वि० स०
५
5

ईपरतेहस्यामकासदेव हरतसदसोंहरेरंगवालीवेललैनी सा घावसानालक्षनाकरवे याकोलक्षनपाछेकहिआएहैं प्रस्नोतर सोया
तेईहानहीकह्यो वाहीभांतसर्वजानसैनो जिसकेतनकीझांईकपरतेवेलनमैसोभाहोतहै जाकेअंगकोप्रकासवेलनिमैझलकतहै
कवप्रीयायां यथा सर्भवनसोभवढावतसी यामैप्रस्न जाकोप्रकासहरीवेलनमैमिलजातहै याकेकहिवेकोप्रयोजनकहा उत्तर स
खीचातुर्यतासोंकहितहै व्यंगसोंसंकेतजितावतहै किराधाजूवेलनमैकुंजमैवैठीहैं वहांतुमचलमिलो ओरप्रस्न नागरसंवोध
नकहिके फेरस्यामसंवोधनक्योंकह्यो उत्तर नागरतोयातेकहे तुमचतुरहोजानजाहु नायकावेलनकेकुंजमैहै स्यामसंवोधनयाते
कह्योकिव्यापकोस्यामरंगहै स्यामरंगहीतेपदारथकोज्ञानहोतहै कहितेजान्यो जोव्यापकोस्यामरंगतनकनैननमैनहोय तोकाहूप
दारथकोज्ञाननहोय प्राचीनकवउक्त दोहा तनकरेषतास्यामकीजोनदृगनमैहोय कोटभानसतऊगवेतानऊजारोहोय ऐसोव्याप
कोस्यामरूपहै जातेसर्वपदारथकोग्यानहोतहै सोयाहिरूपजवव्यापकोवाकेनैननमैवसेगो तववाकोपदारथनकोग्यानहोयगो कि
यहिवागहैयहिवेलहैयापुरुषहै सर्वइनपदारथनकोग्यानव्यापकेमिलेहोगो ह्रै अववकघनहीं यातेस्यामसंवोधनकह्यो इतीने पुनःप्रस्न
इतीतोअनेकहै रसकप्रीयायां यथा धायजनीनायननटी इत्यादिजानलीजे ईहांकोनसीदूतीहै उत्तर ईहाजनीकोवचनहै जोकहितहै मेरीक
ल्यानरूपयहीहै मोकोसखयाहीतेहै येटहिलनीहीकहैहै जाकोसेवाहीतेसुखहोय अवइनश्रृंगारकेसर्वअर्थनमैओरप्रस्नहै किप्रथमवियो
गश्रृंगारनकह्योचहीए संजोगश्रृंगारकह्योचहीए उत्तर संजोग: गा श्रृंगारपक्षअर्थ सखीनायकाकोल्याईहै नायकपासमिलावनेहेत ईहांस
खीकर्ममिलायवो सखीकोवैननायकसों हेलाल मेरीभव यहिनायकाभवकहीएकल्यानरूपहै सोमैनेतुमकोमेरीकहीएमेलीहैमिलाईहै रखा
रलकासोकहीहैं अवयाकीवाधाहरो पीरादूरकरो राधांनागरसोय याकोअर्थ यहितोनागर चतुरहै जाकोनामराधांहै किंवायहितो
राधांनागरहै तुमदेखोजिसकेतनकीझांईपरतेहेस्यामकास हरतकहीएदिसामैइतकांतहोतहै प्रकासहोतहै यामैयहिघनिकटी सखी

वि० स०
५

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

4A

है मनीपीनाकोभवबाधांईकेनागरकुंहिहरो क्यामोकोबेईमिलो जोकोऊकहेसखीकोकेयांनकद्याजोपासहुती तहाकहीएसखीवहिरंगहै सोवहिरंगकोदोनकहितहै यामै
परकीया ईहांपंचमीविभावनाअलंकारहै लछन काहूकारनतेजवेकारजहोयविरुद्ध पंचमभेदविभावनाकोभाषतमतसुद्ध ईहांस्यामसांईतेप्रकासहोतहै यहिकारन
तेविरुद्धकारज विषमनहीहै क्योंगुनविरुद्धनहीहै सांईमैवीगुनस्यामदहै ओरवातप्रकासउपज्योवाकोवीगुनस्यामदहै यातेविभावनाहीहैं विरुद्धक
रजकीविषमनहीहै जोनायककीऊक्तमनसोंहोयतोनायकक्रोगुनकथनदसा अर्थकीभ्रमकासर्वपूर्ववत गोनसांईतेअंध्यारोदूरहोयअरुप्रका
सहोय अलंकारहेतभयो यामैपुरुष अपुष्टार्थदूषनहै लछन रसरहस्ये दोहा कहेकछुसधरेनहीविनाकहेनहीहान जहाअर्थहैहेतवि
नताहअपुष्टवखान ईहाहरतदुतेहायययहिपदअधकहै जिसश्रीराधांकेतनकीसांईतेअंधकारदूरहोतहै यहिकहिनेईतेयाअर्थकीप्रतीतभई
यहि
किदिसामैप्रकासहोतहै फेनक्यांकह्याहरतदुतहोय ऊत्तर याकोअभिप्रायमैहै नायकमनसोंकहितहैं जिनकेतनकीसांईहीतेहमारोअंधेरो
जात ध्वनियहिकिवाकेमिलेहमारेनेत्रखुलें योंनहीखुलत अरुजवप्यारीमिलेतवहींदिसामैसोभाहोय अर्थकिसर्वदिसाहमकोवाहीके
मिलेसुंदरलगतहैं यामैलछना दिसाकासुंदरह्वैवोअसंभवहै लछनाते दिसाकेऊपवनलैनेसोसोभावानहोतहैं अर्थकिकुंजगलीनमैवा
गनमैसोभाप्यारीकेमिलईतेहोतहै अरुसोचमतकारहहरतदुतहोययामैपैयतहै इसकहिनेकरकेऊपवनोमैविहारकरनवारेसूचनभए या
तेस्रंगारकीपुष्टताभई क्योंऊपवनऊद्दीपनहै सोजहानायकनायकाईहैं तहास्रंगारतोहै परजहाऊपवनहोयतहास्रंगारपुष्टहोतहै जातन
कीसांईपदेस्याम जोइतनोईकहिते तोवागनमैनायककीप्रीतनजानीपरती हरतदुतहोययामैवागनकोप्रेमदृढकीयो यातेअपुष्टार्थ
दूषननहीहै जोनायकाकीदूतीकोवचननायकप्रतहोय तोनायकाकीविरहिनिवेदनपरअर्थहोय दूतीकहितहै मनीभववाधाहेराधा
नागरसोंय हेनागरचतुरश्रीकृष्णचंद्रश्रीराधांजूकीवाधाकोहरो कैसीराधाहै मनोभव याकोअर्थ मनीताभवकूपहै कल्यानरूपहै
कैसीराधांकातुमारेमनमिलेपीराभईहै ताकोहरोमिलो सोयकोअर्थ सोराधांवृषभानराजाकीपुत्री किंवासोराधांजाकेतनकीझां

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वि॰ स॰ ६
6

होतहै जिनकीपवित्रकुचहोतहै अरुस्यामपदतेजितारा कितातकुनकुलीनहैं व्यंगसेंनायकजितारा दूतीने जोनायकपासनहोय दूतीनाय
काकोकहेतेअभिसारकरायोचाहै अभिसारपरस्पर्दकीभमका हैराधांनागर वेस्यामतेरमेलीहैं जिनकेतनकीछायापरतेहरित हनीजेवेल
हैतिनमैसोभाहोतहै अर्पनहीहै उपानकाभिन्नहै दसलक्षनयाअर्थहूमैवाहीभांतनिकसतहै सोपाछेकहिदीयोहैं यातेनहीजितारा व्यं
गयामैयहिहै किवेकुंजमैहैतंचल यावातकोजानतहैत कोंनागरहैं याअर्थमैपरकरालंकारहै हैपरकरआसेलीराजहाविसेसनहोय
जहाअभिप्रायसहितविसेसनहै तहापरकरालंकार ईहाव्यंगयहिकिवेकुंजमैहै यहिजितावनकेप्रसंगमे नागरसंबोधनसाभिप्रायहै
किंनागरहैं जानेयावातकोकुंजमैचलम्भि यामेप्रस परकरांकुरअलंकारक्योनहोय वाहीमैअभिप्रायनिकसतहैं भाषाभूषनय
या परकरांकुरकोउदाहरन सुधेहूपीयकेपोहिनैकनमानतवाम नहीमानतहै यावातकोपुष्टकरैहै वाम साभिप्रायहै वामकुटल
कोनामहै जोकुटलहोयसोसुधेतेकैसेमाने तैसेईहादूतीनेजितारा व्यंगसेंकिकुंजमैहै याकोपुष्टकरैहै नागरसबद कष्टअर्थकोलि
येहै जोनागरहोयसोज्ञानेव्यंगको यातेनागरदूतीनेसंबोधनदीयो सोयहिपरकरांकुरक्योंनहोय कैवहीपरकरालंकारक्योंनहोय
भाषाभूषनकेदोहेमे उत्तर इनदोऊअलंकारनकोयहिभेदहै जहातोअभिप्रायसहितविसेसनहोय तहापरकरालंकार सोऊपरलक्षनक
हिआएहै अरुजहाअभिप्रायसहितविसेष्यहोय तहापरकरांकुरअलंकार सोईहासाभिप्रायनागरसब्दहै यातेपरकरालंकारहीं
है कोंनागरराधांकोविसेषनहै यामैअभिप्रायहै राधांविसेष्य यामैकष्टनही अरुभाषाभूषनकेदोहेमे वाम यहिविसेष्यहीसाभिप्राय
है यातेयहिपरकरांकुरहीहै वहिपरकरहीहै इसप्रकारश्रृंगारकेअर्पनकीभमकाकरीहै अबओरप्रकारअर्पकीभमका कबकीउक्तहै
हरतदुतहोय हरतकहीएदिसामैहोतहै सोभाजाकी ऐसेकोन सूर्यभगवान सोभववाधाकोहरो कैसेहैं मेरीहै मेरजोहैसमेरव
र्ततापरकोविहारहैजिनको किंवामेरीभववाधाकोहरो फेरसूर्जभगवानकैसेहैं राधानागरसोय जानेसूर्जभगवान
आराधाहै सोईनागरहैचतुरहै कोंइनकेआरधनेकरमनमैप्रकासहोतहै किंवासोय सोसूर्जभगवानजेनागरोंनेआरा

वि॰ स॰ ६

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

5A रातकोल्याईहै जोकहितहैयाकेतनकीमांईतेप्रकासहोतहै तोजान्योअंधेरीनातहै यामैप्रश्न नायकाकोवाधाकोनसीहै जोमिलनआई अरुयाकेकल्या
नरूपकह्योहै यामैवाधनहीवनत जोकल्यानरूपहै वहिचाहैवाधाकोदूरकरदेय ऊत्तर येअर्थ सखीकहितहै यहितुमकोकल्यानरूपजोय
हिराधानामनागरहै सोमिलाईहै यासोंसोयकहीरासैनकरके अपनीवाधापीराजोहैवियोगकीसोतुमहरो हेतअलंकार जोसखीकीऊक्तनाय
कासोंहोय तोनायककोमिलायोचाहतहै येअर्थकीजे हेराधानागरश्यामजोहैसुसदेवसाकेसेहैं मेरीकहीतेमेलीहै ताकोमिलनवारेहै
एतेरेईमिलीहै अर्थकतेरोइनकोसंजोगश्रेष्टहै औरभवकल्यानरूपहै किंवागैसेश्रीकृसहोमैनेमिलाईहै जोकल्यानरूपहैं इनको
सोयसयनकरकेवियोगकीवाधाकोअवतंहरन कैसेहैश्याम जिनकेतनकीमांईतेरेतनमैपरेतेतेरीसोभानीहरतेहरघ क्याहृरूपजा
य कैसीतेरीसोभागोरहै इनकीमांईपरेश्यामहैजाय कंगयहिइनकेतनकोअैसोप्रवलप्रकासहै जोतेरेतनकेप्रकासकोघायले
तहै यहिप्रकासकेऊतकर्षवधायोहतीने सखीकहितहै हेराधानागरश्यामसुलतेरेमेलीहैं धनियोहिकिऔरकेनहीं केयांतंनागरहैं यातेतेरेमे
लीहैं अन्यनायकागवारनकोआवतरेनहीआनत यामैअभमानीजितारा किआभमानीहै औरनकोअपनेआगेगवारजानतहै अर्थनको
संगतज्यो याहीमैत्यागीसूचनकीए किऔरगोपांगनागवारनसोंनहीमिलत तोकोनागरजानकेतेरेमेलीहैं औनकल्यानरूपहैं या
मैज्ञानीजितारा किएकरमावानहैं छमासोईधारनकरेगोजोकल्यानरूपहैहै इनसोंमिलकेवाधाकोहर इनतेतेरीवाधादूरहैहै केयांपी
राकेहरनकोसमर्थहैं यामैभवाजितारा किसुकुलकर्ताहै अरुसर्ववाधाहरतहैं कल्यानरूपहै इनमैकोऊवाधानहीहै सर्वसुखसंपन्नहैं
केयांकल्यानरूपहीहै यामैधनीजितारा किधनीहैं धनवानहीवाधाहरतेहै तंइनसोंसयनकरके वियोगकीवाधाहर यामैजिताराकिकेल
कलामैप्रवीनहै अरुजिसश्यामकेतनकीमांईकेपरेतेतेरीश्यामसोभाहोतहै यामैजितारायोकिसुंदरहैं अरुजिनकीछवअपनेप्रकासकरअपनोईरंग
करतहैं धनियहिकि ऊजालअमलहैं छवहै मैलीनमैप्रकासनहीहोत यामैरुचिरुचिजितारा जिनकीपवित्ररुचहै अमलताऊनहींकेअंगमै

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

ककीप्रतीतघरेंघरेकीहोती पहिरेनहीजानीते अंगनकेनाममनतेपहिरेजाने अंगनकेकहिवेकोयाहिहेतोहै आर
प्रस्न यादोहामेंअक्रमद्रसनहै लछन कववल्लभेयथा हरकवऊक्त दोहरा छंद अक्रमसदोषजहा
क्रमनहाय पहिअर्पचितदेखकवजाय यादोहामेंक्रमनहीहै सोजिनावतहै सीसपेमुकट कटमेंका
छनीकहिके फेरकरमेंमुरलीऊरमेंमालकही यातेअक्रमद्रसनहै उत्तर ईहाध्यानकीप्रबलता
ववकेमनमेंव्यंगसोभई जोयोंनकहिते तोप्रबलतानजानीपरतीवचनोकरकेध्यानकीयोजान्योजात
योकहिनतेध्यानमनकरकेकीयोजान्यो किकवनेध्यानमनकरकेकीयोहै ईहायहिजानीकिकव
कोमनअैसोभगवानमेंकेध्यानमेंमगनभयो जोयहिसुधनहीरही किप्रथमकोनसोअंगकहिनो
है अरुवाके पाछेकोनसोकहिनोहै क्रमकीसुधनहीरहीध्यानमेंमगनह्वैगए। जोकवतामेंकवकोध्या
नहोतो तोक्रमकीसुधकवकोरहिती ईहाकवकोध्यानहै भगवानकेरूपमेंअत्यंतमनमगनह्वैगयो।
यातेक्रमकीसुधनहीरही यहिद्रसनसर्वकवनोंकोऊपदेसरूपह्वैगयो किभगवानकोध्यानमनकरकेकी
जीए अरऊनकेध्यानमेंअैसेमगनह्वजीए किरूपदारथकीसुधनराषीए सर्वपदारथनकेविषेतेमन
कोषेंचके निर्कवलवाहीकेसरूपमेंलगाईए। सोविहारीलालकवनेअक्रमद्रसनकेमिसकविनकोय
हिऊपदेसदीयोहै किअैसोध्यानश्रीक्रिस्नचंद्रकोकरीए। ईहाअयुक्तायुक्त लछन दोहरा अससेस
भह्वैजायजहाकेयाहूविधसोमित्त ईहाअक्रमद्रसनअयुक्तहै भगवानध्यानकोऊपदेसकीयो यातेयहि
अयुक्तनहीहै किंवाकवनकेऊपदेसकीवार्ता अक्रमद्रसनैंपरडारकेकही यातेअन्योक्तिह्वैजाय अन्योकत



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

6A

घाहै कैसेसूर्जहै जिनकेतनकीगांईतेअंधेरादूरहोतहै हरतदिसामैप्रकासहोतहै यामैदेवरतभावध्वनि यादोहेकोअ
र्थवैदकमैवीकरतहै सोचमतत्कतनहीहै रोगीकीऊक्त मेरीवाधाकोभवऊतपतहोनाताकोराधाहेरा राधानामहरिद्र
कोहै मोरनणरनामसंढकोहै सोयहोवाधाकी इनदोऊनमैतेजिसकेतनकीगांईजापरपरे ताकोश्यामजोहैअरसोहरत
दूरहोय इतसोभाप्रकासहोय यहिअर्थवीकरतहै इसप्रकारदोहकेअर्थनकीभमकाकीजे जोअरहोयसोऊलगाव
नी यादोहेकोनामकरभहै कोहेते जाके३२वत्तीसअक्षरहोय जिनमै१६सोलागुरहोय अरु१६सोलाई
लघुहोय तिसदोहेकोनामकरभहै तेयामैसर्वपैयतहै देषलैने यातयाकोकरभनामहै प्रयोजनयहि
करभनामहस्तीकेपुत्रकोहै व्यंगयहि यामैपाक्रमकोप्रभावहस्तीकेसावककीन्याईहै काहूकोनहीगनत प्रथमवि
चारवेकवनेयांहीतेधर्योहै मूल दोहरा सीसमुकटकटकाछनी करमुरलीऊरमाल यहिवानकमोमनवसो
सदाविहारीलाल वारता यादोहेकैवध्यानकरतहैअपनेप्रभुकेसरूपको सीसपैताजिनकेमुकटमैहै कट
मैकाछनीहै काछनीगोपनकोपहिरन करमैजिनकेमुरलीहै ऊरमैमालहै यहिवानकजोहैवनाव वि
हारीलालको कैसोवानकनटवरवेष यहिसवदमैतेअैसोव्यंगनिकसतहै यहिवानकव्यानटवरवेषसोसदामेरेमनमेवसो
विवाविहारीलालकेमनमेवसो यहिअक्षरार्थ ईहाएकप्रस्नहै अंगनकेनामकोंकहै मुकटतोसीसहीपैहोतहै
सीसकेकहिवेकोप्रयोजनकहा काछनीकटहीमैहोतहै कटकेकहिवेकोप्रयोजनकहा इत्यादिजानलीजे अं
गनकेनामकोनसेअभप्रायकोसूचनकरतहै यहिप्रस्न तहाउत्तर जोअंगनकेनामनकहिते तोइनमुकटादि

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वि॰स॰
८
8

फिप्रश्न तहाउत्तर येग्रर्थ कवकोवचन हेविहारीलाल यहिवानकमै क्याइसतुमरेवनावमैमेरामनवसो ग्रारयोंकैसकतो
तुममेरेमनमैंवसो तुमतोसर्वजगतमेवसो पैमेरामनइसवानकमैवसो यामैसेवकस्वामीकोधर्मपुष्टभयो ग्रारप्रश्न
कवनेकसोइसवानकमैमेरामनवसो तोयहिमनकोवसायोचाहतहै यहिध्वनियामैभई किग्रजोंवस्योनही तोध्यान
कीपुष्टतानभई तहाउत्तर यहिवानकमोमनमसो मनतोवस्याईहै इसवानककीतरहिमेरामनसदाविहारीलालमैवसो ध्वनि
यहि किमेरामनग्रारठौरवसेग्राछेनहीलगेहै कैसे जैसेसीसकेमुकटकोवनावहै सीसविनामुकटग्रारठौरग्राछेनहीलगैहै ग्रैसे
हमारामनतुमारेविनाग्रारठौरग्राछेनहीलगत ग्ररुजैसेकटकाछनीकोवनावहै कटविनाकाछनीग्रारठौरनहीसोभत त्योंह
मारामनतुमविनानहीसोभत तुमहीमैसदारहै इत्यादिकग्रारहूजानलीजे यहिग्रर्थध्यानपक्षलग्यो समालंकार य
थाजोगकोसंगजहातहासमालंकार सीसमुकटकटकाछनीकरमुरलीऊनमार यातेजातग्रलंकारहूहै जाकोजैसोरू
पतैसोईवरनेतहाजातग्रलंकार ईहाजैसोजाकोसरूपहुतोतैसोईकह्योयाते ग्ररवसोयहिवाककीग्राहै सीसपैजोमु
कटहैवामैंमनवसो कटमैजोकाछनीहैवामैमनवसो करमैजोमुरलीहैवामैवसो वसोकीग्रासभपैलगी याते
तुल्यजोगता द्वितीयग्रर्थ प्रौढास्वयंदूतकापक्ष नायकानायकसोंकहितिहै हेविहारीलालतुमारो ग्रारग्रंगनमैयहिजो
वनावहै कोनसो जोसीसमुकटके ग्ररुकटकाछनीके इनदोऊनमै जोकरमुरलीकोवनावहै सोमेरेमनमैसदावसोहै ग्रवयामैप्रश्नहै करमुर
लीकोवनावमेरेमनमैवसोहै याकेकहिनेकोग्रभिप्रायकहा उत्तर ग्रारवनावतोग्रंगारकेहमारेनैननमैवसेहै करमुरलीकोवनावमनमैवस्योहै पुनःप्र
श्न मनविनातोनैननमैनहीवसत प्रथममनमैवसेतवनैननमैवसे ईहाकह्योग्रारग्रंगारनैननमैवसे यहिमनमैवसो याकोहेतकहा उत्तर यहिकहिनावतहै सबकी
जोदसपदारथसंदरहोय सोनेत्रतासबकोदेखें तिनमैजोतावकोऊ कछुविसेषताकरकेमनमैवसजाय सोवाकोकहेहै कितापदारथतासर्वग्रेष्टहैं प
रमेरेमनमैतोयहिनीकोलगतहै तैसेनायकानेकह्योग्रंगारतासर्वग्रेष्टहैग्रापके तिनमैयहिकरमुरलीकोवनावमोकोग्रेष्टलागतहै मेरामन

वि॰स॰
८

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

7A मित्रश्रोतनकेकीजेपरऊपदेस श्रोनफल ईहाकवनियमविरुद्धवरनतहै कवनियमनही कवप्रीयाग्रंथमें यथा वरनतदेवनचरनतेसिरतेमानुष
गात यहिनियमहै ईहाश्रीकृस्नदेवनकेदेवहै तिनकोसीसतेवर्ननक्योंकीयो सीसमुकटइत्यादि चरननतेक्योंनकीयो ऊत्तर ग्रंथ
नमेतीनप्रकृतकहीहै एकतोदिव्यप्रकृतहै एकग्रदिव्यप्रकृतहै एकदिव्यादिव्यप्रकृतहै दिव्यप्रकृततोदेवनहीमैवर्नीए ग्रदि
व्यप्रकृतमानुषनमैवर्नीए दिव्यादिव्यप्रकृतऊनमैवर्नीए जेनरवीहोय देववीहोय सोदिव्यादिव्यप्रकृत कृस्नमै
युधिष्ठरमैरामचंद्रमैवर्ननकीजीए क्योंतादेववीहै नरवीहै यातेइनकीदिव्यादिव्यप्रकृततहै देवनकीदिव्यप्रकृ
तहै मानुषनहूकीग्रदिव्यप्रकृततहै जोइनतीनोमैकोऊकवविपरीतकहिदेय दिव्यमैग्रदिव्य किंवाग्रदिव्यमैदिव्य
इत्यादिजोकोऊकहै तहाप्रकृतविपर्जयदूषनहोतहै ग्रंथनमैलिषेहैं ईहाकृस्नचंद्रकोवर्ननहै इनकीदिव्यादिव्यप्रकृततहै देवन
कीप्रकृतवीहैनरनकीप्रकृतवीहै इनमैमिश्रतहै इनमैदोऊवर्नीए जहापूतनादिककोमारयोहै गिरधारयोहै ब्रह्माको
मायादिषाई यहितोदिव्यप्रकृततहैइनकी ग्ररुवालकलीलाकरजसुधासोंरुदनादिककरदूधदधमांगनो यहिग्रदिव्य
प्रकृतइनमैवरनतहै कवप्रीग्रायांयथा वेदकदूधकोमाक्योजुवांधसुजाननतहोमाईजायोनतेरो इत्यादि कृस्नदे
वपूरनब्रह्महैं यातेविहारीकवनेप्रथमहीध्यानकीयो किग्रंथपूरनहोयजिनकीकृपाते ग्ररुमेनीसुभगतहोयऊनकेगु
नवर्नेते किंवाध्यानते यहिदिव्यप्रकृत सुचनभई ग्ररुसीसतेजोवर्ननकीयो यामैग्रदिव्यप्रकृत क्योंनरूपहैजिनको
यातेइनकीदिव्यादिव्यप्रकृततहै इनमैदेवनहूकोसुभाववर्नीए यथारसरहस्ये दिव्यग्रदिव्यकहैवहुर दिव्यादिव्यप्रमान कृस्न
जुधिष्ठररामजिनदेवहूनरसुभमान श्रोनफल कवनेकह्योयहिविहारीलालकोवानकमोमनमै मेरेमनहीमैवसो
यामैग्रवज्ञासीभासतहै यांकयानचाहीयेमेरेमनमैवसो यहिकहिनावतवेरावरकेसोहायतोहाय स्वामीसोंनचहीए य

वि॰स॰
९
१

चकेभयकरकष्टवोलनहीं अरुनायकापरकीयाहैवहिपरपुरषकेकोकैसेंकहिसकेवाच्यमे तव्यपयहिप्रौढाहैकाअ-
धकहैयामै यातेसुरतकीविनतीव्यंगसोंकही इस्त्रीपुरषमिलेरसअं[illegible]होतहै करमुरलीकेसराहनमैसुरतकर
नीनायककोजिताई औरप्रस्न॥ ईहांनायकनायकातोमिलेईहैस्वयंदूतकाकैसे स्वयंदूतकोलक्षनतोग्रंथ
नमैयहिकीयाहै जहांदोऊअनकोनायकनायकाकोकिसीतरांमिलापनहोयतवआपहीअकुलायकेदूतत्वकरें॥
रसकप्रीयायांयपादोहरा॥जोक्योंहूनमिलेकहूंकेसवदोऊईठ॥तोआपनअकुलायकेवुधवलहोतवसीठ॥
अरुईहांतोदंपतमिलेईहै ईहांनायकस्वयंदूतकाकैसे उतर नायकाकोस्वयंदूतद्वैप्रकारकोकह्योहै एकतोसुरतस्वयंदूत
एकसंकेतस्थलजतायवोस्वयंदूत जोतोनिकटनहोयतोतोआपसंकेतस्थलकोदूतत्वसोंजितावेवहितोसंकेतस्थलजि-
तायवोस्वयंदूत जोनिकटहीद्वैगयोहोयहि अरुनायकसंकोचसोंकष्टकहिनसकेकहाजानीएकहांभावहैनायकाके
मनमै तहांनायकासुरतस्वयंदूतकाने सोईहांसुरतस्वयंदूतहै संकेतस्थलजितायवोनाहीं॥संकेतस्थलमे
तोआयप्रापतभएहैं यहिभावजानीए अरुईहांनायकनायकाईहैयातेप्रश्नस्वयंदूत नायकापरकीया
प्रौढास्वयंदूतका याअर्थमेगूढोतनाअलंकार वचनगूढनिजभावसोंगूढोतरकहितहि॥ताईहांना वि॰स॰ ९

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

8A यामैवसोहै॥औरप्रस्न॥करमुरलीमैक्याविसेषताहै॥सीसमुकटकटकाछनीइनमैक्याजा
नताहै॥ऊतरईहानायकाप्रोढाहै॥व्यंगसोंनायककेपाससुरतकीविनतीजितावतहै॥कि
सुरतकरो॥अरुस्रृंगाररतासर्वश्रेष्ठहै॥पैनायकाकीचातुर्जताकोचमतकारहै॥सोदिखावतहै॥
सीसपैमुकटहैयहितोनिरकेवलपुरषनहींकोसंगहै सीसमुकटदोऊपुरषहैं पुरषपुरषकेसंगमैरसन
हींहोत अरुकटकाछनीयामैइस्त्रीनकोसंगहै तादोऊइस्त्रीहैं इनमैवीरसनहींहोत नारीनारीकेमिलेरसन
हीऊतपतहोत अरुकरमुरलीईहापुरषइस्त्रीकोसंगहैकरपुरषमुरलीइस्त्री॥पुरषइस्त्रीमिलेरसऊतपतहोतहै।
यातेकरमुरलीकोवनावमेरेमनमैवसतहै व्यंगयहिकिपुरषइस्त्रीकोसंजोगस्रेष्ठहै रसऊतपतहोतहै सोहमारोपु
रषइस्त्रीकोसंजोगहै रसऊतपतकरोक्योंसुरतकरोयहिचातुर्जताकरनायककोजितायो याभावहै औरप्रस्न ऊरमालईहावीतो
नारीनारीकोसंगहै दोऊस्त्रीहै॥घातीमालाइसकोअभिप्रायकहा ऊतर याअर्थकीजे करमुरलीऊरमाल तुमारेसिंगार
नमैकरमुरलीकोजोवनावहै सोमेरेऊरकोमालधनहै मालनामद्रव्यकोहै यहिमेरेरिधेकोद्रव्यहै द्रव्यमैमनव
सतहीहै सोयावनावमैमेरोमनवसतहै औरप्रस्न जोनायकाप्रोढाहै तोसुरतकीविनतीव्यंगसोंक्योंजिताई वाच्यमे
क्योंनकही अरुनायकाएकांतस्थानमैहै वेईक्योनवोले ऊतर॥ईहानायकातोपरकीयाहै ऊपपतनायकहै नायकसंवो

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वि॰म॰
९॰
10

मैतेरामनवस्योहै यातेतोकोयहीभावतहै अरमोहूकोनीकोलागतहैयहीतेराश्रृंगार ।। किंवायोभ्रमको नायकाने
नायककोरूपकीयोहै बाकोदेखकेसखीसखीसोंकहितहै हेसखीविहारीलालकीसुखदायनीकोयहीबानकजोहै
बनावतामैमेरामनवस्योहै पूर्वार्द्धकोवहीअर्थ यामेजातअलंकार लक्षन जातरुजैसोजाकोरूपकहिति
हसाज ।। सोरठा ।। लीलाहावकोकह्योसुन्योकविराज ।।१।। लीलाहावकोजैसोरूपकहुतातैसोईकह्योयातेजातअलंकार ।।
जोदंपतपैअर्थहोयतोहेलाहावपरचतुर्थअर्थ ।। सखीकोवैनसखीसों हेसखीयहीबानकजोहैसदासुखदायनीरा
धांकोअरश्रीकृष्णकोयामैमेरामनवसो अर्थराऊमनपैयहीएकहीलगतहै श्रीराधांजूकैसीहै जाकेसीसपे
मुकटहैवकटकाछनीहै इत्यादिजानलीजे श्रीकृष्णकैसेहै जिनकेसीसपैमुकट इत्यादिजानी ।। प्रश्न परन
प्रेमप्रतापतेभलतलाजसमाजयहीलक्षनतानहीनिकसत तोहेलाहावकैसे ईहातोश्रृंगारकोवर्ननहै उत्तर
ईहानायकानेनायककेसनमुखहोतेईऊनकेसमानजोश्रृंगारजोअपनेअंगमैसजेतापरनप्रेमकेप्रतापतेला
जभलीजानी ।। यामैलक्षननिकस्योयातेहेलाहावप्रगटभयो जानेनायककेश्रृंगारसजेअपनेअंगमैतोध्वन
तेजानीनायककीक्रीडाश्रावीकरीहैहै सोक्रीडाकरकेश्रृंगारकरकेनायककोमनहरयोअरुलाजभलीयातेहेलाहाव अरप्रस
नायकाकीतोलाजभलीलक्षनभई नायकमैयहीलक्षनकैसेलक्षनभयो यातेनायकमैहेलाहावकैसेव उत्तर ईहानायककोहेलाहावनहीनायकाईकोहै यामर्थप्रोढानायकाअभि
न्नार्थश्लेषा

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

९A यककेमनमैंतोहुतीएई परनायकानेमनकीवातकोऊतरदीयापरअपनेगढभावसहितदीया जामैंअपनोइ
याकीवातकैढ नायकके मनमैंहुतीकिकछूनसवार्ताकीजे परऊनसंकोचसोनकही सोनायकानेकहीपरअ
पनेगढभावसहितकही किकरमुरलीबाबनावनीकोहै यामैंछयकीलछकराईकिइस्त्रीपुरखकासंगनीको
होतहै यामअर्थ जोसखीकोवचननायकासोंहोयतोलीलाहावपरतीसनेरोमअर्थ सीसमुकटाहैराधेतेरेसी
सपैतामुकटहैकटमैंकाछनीहैकरमैंमुरलीहैऊरमैंमालहै यहिवानकजोहैविहारीलालकोतामैंतेराम
नवस्योहै पातताकोयहीवानकभावतहैयाहीतेतैंरच्योहै इहांप्रस जैसेश्रीकृस्नकोनामसवदमैंनि
कसतहै तैसेनायकाकोनामनहीनिकसत तालीलाहावकीपुष्टतानही श्रीकृस्नहीकोस्रृंगारभा
सतहै अंतर यामअर्थकीजे हेसदा सजोहैसखिकिंवासनामकल्यानकोहैतिसकेदादेनवारी संकासहूकहीा
जैसेघ~~[illegible]~~कोघकाहितहै घनामआकासकोघचरआकासगामीकालिख्योहै मैसेसदाकोअर्थकल्यानदायनीसु
खदायनीज्ञानीता हेकल्यांनदायनीराधाविहारीलालकोमुकटतेरेसीसपैवनतहै इसमुकटकोतेरेसीसपैव
नावयांहीतेहैजोकृस्नकोहै अरश्रीविहारीलालकीकाछनीकोवनावतेरीकटमैंहै अरश्रीविहारीलालकीमु
रलीतेरेकरमैंवनतहै अरश्रीकृस्नकीमालातेरीऊरछातीमैंहै हेसुखदायनीविहारीलालकोवानकजोहैयाहि या

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

गयो है॥सुधनहीरही॥सखीकहितहै हेसदासुखदायनीराधा यहिविहारीलालकोजोवानकहैयामैमेरामनवस्यो
है॥यहिबानकजोकछूयातेजानीकिनायकाहूप्रतच्छहैजाकोसखीदिखावतहै परोछनहीं॥क्योंयहिपदप्रत
च्छहूमैवनतहै परोच्छमैवाहिपदचहीए॥ यातेप्यारीकोदेखकेविभ्रमभयो॥योभाव॥याअर्थमैअसंगतअलं
कार॥लच्छन॥दोहरा॥औरठौरकोसोकजहांऔरठौरमैभाल॥सीसमुकटप्रकटकाछनीकरमुरलीउरमा
ल॥जोनायकासखीसोंकहै॥हेसदासुखदायनीसखीयहिविहारीलालकेजोवानकहैजामैंतोकोमनायो
है॥सोमेरेमनमैवस्योहै व्यंगयहिकितूनैननसोंदिखावमोको॥पूर्वानुराग सरूपजोमनमैवस्योहै
ताजान्योकहूदेख्योहै॥जोवखानकीयायहिरूप यातेदृष्टानुराग देहकीसोभावर्नीयामैगुनकथनय
हिसप्रेमकीअर्थकीभ्रमको॥जोनायकाकहैहेसुखदायनीयहिबानकजोतैंसुन्यजोहैश्रीलालकोसोमे
रेमनवसोयहिश्रवनदरसनपरम्प्रेमोन्मको॥यहिपदव्यंगसेंनायककोसूचनकरतहै॥हेतअलंकार॥
हेतकाजकारनसहित॥सुनायककोकारनऊरवसवोकारज॥औरसखीकोसुखदायनीकह्योयातेअंतरंग
जानी॥प्रघनश्रवनदरसनभयो॥जोनायकानायककेनिकटसखीसोंसुनायकेकहितहै॥हेसखीस



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

10A लंकार लछन॥एकेअर्थउद्धूनप्रतअभिंन्नार्थअस्तलेष॥ईहासीसमुकटकटकाछनी।एकअर्थदोऊपदनलगतहैयाते जेया
अर्थमैकववकीऊक्तकीजेतादंपतकाध्यानश्रृंगाररसमैकीयायहिसूचनहाय॥यहिभ्रमकापंचमप्रकार॥विभ्रमहाव
पलषवमअर्थ॥सखीकावैननायकसें॥हेविहारीलालयहिवानकतुमारोसदामोमनमैवसा।किंवायहिवानकमोंमेरामनवसा॥अजछा
पकोकैसोवानकहै॥ मुकटकटि॥सीसकामुकटकटमैहै॥काछनीकर काछनीहाथमैयहिनीहै मुरलीऊरमाल मुरलीऊरसें
लगाईहैमालासम॥किंवाऊरकीमालामुरलीमैपाईहैयहिवानक॥ईहाप्रस॥नायककोदरसननायकाकोनहीभयाअ
वनोनहीसुन्योतानायककाविभ्रमकैसेभया॥जैसेरसकप्रीयामैकह्याहै सुनआवतअीव्रजभूषन॥द्वितीयमैव्रषभा
नसुताहिनिहारतहीइत्यादि॥यादाहामैदोऊवातनहीनिकसत॥ताविभ्रमकैसेभया॥ऊतर॥यहिविभ्रमहावदेषसुनेविननही
होत॥ईहाविभ्रमजाेभयाहै तायामैयहिध्वनिभई किनायकादेषीहै किंवासुनीहै विनदेषसुनेनहीभया॥पुनःप्र
स॥ईहासंदेहरसानायकादेषीहैकिंवासुनीहैयहिनिरधारोंनभया॥ताकाहूनेकछानदेषीहैनसुनीहैविभ्रमहूनही॥
नायकेन
कैदेषीनिरधारहोयकैसुनीकाेनिरधारहाय॥ताविभ्रमपुषहाय॥ऊतर॥ईहानायकादेषीहैयातविभ्रमभया॥
सोकैसे॥तहासवदमैद्रितावतहै॥सखीकावैननायकासेंनायककेसरूपकादिषावतहैकिताकादेषकेप्रेममैमगनहै

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

पघासवैया॥ छूटीलटैंछवकीलपटैंतीयविज्रघटासीअटापैखरीहै।इत्यादि॥ ईहांश्रृंगाररसमैअजग
नकेवर्नकोटवर्नजोहैताकोअनप्रासरसकोदोषकहै॥ यातयहिरसदोषकअलंकार॥ सोयादोहा
मैरसदोषकअलंकारहै॥ सोऊवननेकलाईहैयातेदोषनाहीं॥ प्रश्न॥ दोऊअनकोदर्सनकैसे॥
उतर॥ यहिवानकजोनायकानेकयो तोनायकाकोदेखवोसवदहींमैंभयो॥ किनायकादेखतहै। अरनायकको
देखवोव्यंगसोंजान्यो॥ सोजितावतहै॥ मनमैरूपनायककोवसो॥ तोजान्योनायककूंदेखतहैं। अनदेखन
वारेकोरूपमननमैनहींवनत॥ मनमैतवहींवसेअववहिवीरसअतहावदेखे॥ यातेदोऊअनकोदर्सनभयो॥
धीरानायकापरअर्थकीभ्रमकादसमी॥ सखीसोंकहितहैनायकानायककोसनायके। हेसखीइन
कीसुखदायनीकोजोहैमनसोइनकेयहिवेषमैक्यानटवरवेषमैजापरइस्त्रीनकेमोहवेकोहै॥
यामैईवसोहै॥ वहिनायकाकैसीहै किंवावाकोमनकैसोहै विहारी याकोअर्थरीसखीविगतहै॥
हा दुख्यकोसवद जातवाकेमनकोदुख्यनहीं॥ व्यंगयहिदुखहमारेमनकोहै॥ अरलालहै
वाकोमनव्यंगइनकेअनुरागसोंवलतहै॥ अलंकारवक्रोक्ति॥ लच्छन॥ टेढेभावकहेजाहा
वक्रोक्तिकहिताहि॥ ईहानायकानेवक्रताईसों कोपाजितायो॥ किहमइनतदुखीहै॥ मानमोचन



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

दोषहिवानकछलकोकोनसोजोतेदिषावोहै सोमेरमनमेवसोहै यामैसाछातदरसन संजोगसिंगार नायकाप्रोढा॥नवमीभमका॥मोमनवसोजोकहितहै॥एकप्रसौ वर्नप्रतकूलदूषनहै॥लछनरसरह स्य॥ग्रनविरूधहैवर्नजहासुहै वर्नप्रतकूल॥जहाग्रनविरूधम्रछरहायतहा वर्नप्रतकूलदूषनहोतहै॥ उदाहरनदोहारसरहस्य॥टरटेकद्रगटकटकी हरदूवारेहार॥ढाहसगढढाहसलषोश्र॥एतढरक तढार॥ईहाम्रोजकेव्यंजनक वर्नमाधुर्यमेम्राए॥पातेवर्नप्रतकूलदूषनभयो॥सोईहाम्रगाररस मेमाधुर्जग्रनहै यामैम्रोजकेवर्नव्यंजकम्राए॥टवर्गम्रोजव्यंजकहै यातेवर्नप्रतकूलदूषनभयो॥ उतर० याकोसमाधानकरतहै॥ईहाम्रंगाररसमैटवर्नकोम्रनुप्रासम्रलंकारहै॥सोग्रंथनमेकहो ईहै॥कहूम्रलंकाररससोंउदासीनहूकेरहितहै॥म्ररकहूंरसकोपोषकरहितहै॥म्ररकहूंउलटेभूषनो कोतरहिरसदोषकम्रलंकाररहितहै॥यथारसरहस्य॥रसतेउदासीनम्रलंकार॥छप्पे॥नगनिवा सम्रट्टाटहासपंनगविलासधर॥इत्यादि॥ईहारसविनाकेवलभावध्वनिकोम्रनुप्रासम्रलंकार पोषतहै॥रसतेउदासीनहै॥रसपोषकम्रलंकारयथा॥सवैया॥चांदनीचंदछवीलीकोचोंसरचा रगुलावलष्यानहिभावे॥याहिचकारवर्नकोम्रनुप्रासम्रंगाररसकोपोषतहै॥रसदोषकम्रलंकार॥

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वि॰स॰
१३
13

हुतोसोइहटपोयातेमानमोचन कोपभावकीसांत उत्तमानायकाकोवचननायकसों सीसमुक
टइती हेलालतुमकैसेहोविहारीहो विहारतुमकोअवलगतहे सोमैआपकोकैसेकहों किमेरेमनमैवसो॥
यामैमेरीअवग्याहोतहे॥यातेइसबानकमैमेरोमनसदावसोयामैस्वकीआइढभई।।कोपकोअभावयातेउत्तमा
नायकज्ञांकोअवमानकरआरनपैजातहे यहिआपानकोमानकरतहै रसकपीआआमांयपा मानकरेअपमान
सेंदेइत्यादिलछनसूचनभयोयातेउतमा यामेपरकरालंकार हैपरकरआसेलीराजहाविसेसनहोय॥नहीठहरन
केप्रसंगमैविहारीविसेसनसाभिप्रायहै आरअर्थअधमानायकापर सखीनकेवांतनित्तनायकसोंकयामा
नकरतहै यहितेराक्याप्रभावहे तासोंनायकाकहितहे हेसखीयहिबानकजोहेनटवरवेस जाकोदेखपर
स्त्री[illegible]हतहोय यामेइनकोमनवसोहे अैसोश्रृंगारकरपरइस्त्रीनकोजायमोहतहे याहीतेसदाविहारी
सोमेरीलालकोअर्थपरारहै लकाररकारभयो ईहांविहारीनामसाभिप्रायहे श्रृंगारकरमोहतहैगोपां
गनाको यामैविहारीनामहीसाभिप्रायहै रीसखीइनकोनामहीविहारीहै जोविहारीहोयगासोईश्रृंगा
रकरमोहनकरेवेगो यामैपरकरांकुरहै नायकाकेमनमैयहिहै अैसोश्रृंगारकरानिजघरहीमैवसैं उतरा
लंकार उतरतेजहांलखपरप्रस्नसउतरजान ईहांनायकाकेउतरतेसखींप्रसजान्यो किसखीनेप्रपमप
को

वि॰स॰
१३

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

12A परस्मृप्य॥सखीकहितहै॥मीसमकटइती॥हे नायकायहिसुंदरवनावइनको मेरेमनवसोहै क्यातेरेमन
नहीवसोजातवोलतनही॥यामैव्यंगसंमानसेचनभयो॥तवनायकावोली॥सदाविहारीलाल
सखी ॥हौताासदासुखदायनीकेलारपाये विहारीहैविहारकरनवारेहै॥इनसांकहावोलीत॥यामै
मोचनभयो॥ऊतरतेऊतरालंकार॥लालसवदकोलारसपर्पकीजे॥रकारलकारएकहीहै॥
प्रस॥प्रीतमप्रीयासुटनीतसेंामानतजतहै॥ईहाकोनसीरीतहै॥ऊतर॥ईहाप्रसंगविध्वंस
करमानमोचनभयो॥ताकोजितावतहै लक्षन रसकप्रीस्नायोयघा ऊपजपरेभयचितमसष्ट
जायजहामान इत्यादि जहाभयतेचितमैभमऊपजपरेतातेमानछुटजायसोप्रसंगविध्वंस ईहासखी
नेजोकह्योयहिवानकमेरेमनमैवसो यातेनायकाकेमनमैभयभयो कदाचितमेरेमानकरवेतेयासो
प्रीतनेहजाय यातेमानतजवोली पर्यायोक्तअलंकारभयो छलकरकेनायकामनाई सखीने छ
लकरसाधीराइजजहापर्यायोक्तविख्यात मेरेमनमैवसोयहिछलकरमनायवोइष्टसाध्यो जोसुखतेअ
कसमातनिकस्योतासमाहितालंकार देवजोगतेकाजजहाहोतसमाहितजान मोमनवसोयहिसखीके
सतदेवजोगतनिकस्योयातेमानतज्यो काजभयो अन्यनायकाकेसंगदेखहेतयातेलघुमानभयो

धाईसोंवचनहै कहूकन्हैयालालकोप्रेमभैलडावतहुतीताकोदष्षधायनेकद्यो॥तंसदाविहानीकोलडाव ज्ञातम्रलंकानपाछे
जितायम्रायेम्रापहे म्रोरम्रर्थ ज्ञातमेम्रीव्रजसम्रक्रूरसंगचलेहै तासमेमैनाप्यकातनेहमैम्रगनभईकहितेहै हेलाल यहिवानकमा
मोमनवसोसदाविं॥यहिंजोतुमारोसदवानवहै म्रटवानकहै तामैमेरामनवस्योहै यातेहेलालतंम्राव मतजाह म्रवमेहारीतुमाते
म्रवनहीकवहूमानकरोगी यहिम्रर्थम्रविसंधतापरवीलगतहै नायककेमनातानहींमानी जवनायकऊदासहैकेचलेतंतववुलावन
लगी हेलालम्रवमेहारीतुमजीते म्रवमाननतुमसोंवरहों क्योंतुमारेसदवनावमैमेरामनवस्योहै यहीम्रमकोचितलगनपै
लगतहै नायकाकोवैननायकसों हेनिरमोहीलालतंमेरेनिकटम्राव तेरेसदकहितामेलेवानकमैमेरामंनवस्योहै सोतंम्रावि
म्रवयामैतीनप्रसहै एकप्रस्तेतायहिचितलगनकैसेभई नेत्रलगनहींक्योंनहोयदेषकेवुलावतहै दुजोप्रस निर्मोहीकैसेजाने॥
तीजोप्रसहारीकोम्रभिप्रायकहा क्रमसों ऊतर मनवसोयामैचितलगनहींजानी म्रमेरामनवस्योहैतुमारेवानकमैघ्नयाहि
वमारोनहीवस्यो यामैनिर्मोहीभयो हमानेतुमकोमनदीयो तुमहमारेपांववीनहीदेत प्राचीनकवऊत॥दोहरा हमतुमकोनि
जमनदयोतमम्रहपांबनदेत देषरीतइहिजगतकीलोकसवायोलेत१हमारोमनलैकेतुमपावहूजोनहीदेत यातेनिर्मोहीहो ती
जेप्रस्तकोऊतर हारीकोम्रभिप्रायकहा ऊतर हारीयाते सनेहकेलगेतुमकोप्रथमवोलवेऊचतहुतो सोतुमतोनाहीवोले हमतुमसोवोली याते
हमहारीतुमजीते पैहेलालतंम्राविधिपछिपमतजाहुहमसों काव्यलिंगम्रलंकार लक्षन म्रर्थसमर्थनकीजोकोनहूविधसोंमित तम



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

13A क्योंऊ हुतो जोकंनायकसों नित्य क्योंमानकरतहै ताकोऊतर सषीनेदीयो। औरअर्थ षंडता नायकाकौ ऊक्ति नायकसों। प्रातस
मेनायकआयोहै तासोंनायकाकहितहै पूर्वार्द्धकोवहीअर्थ यहिवानकजोतुमारोनटवरवेष परस्त्रीनकेराजीकर
वेकोसरूपतासोंमेरेमननहीमैवसो। मेरेघरमैंमेरेपासमतवसो। क्योंतुमविहारीलालहो। ठौरठौरविहिरतफि
रतहो। योअर्थ यामैप्रस्न नायककोचिह्नतोकाऊदेष्योनहीतोषंडताकैसेहोय ऊतर योअर्थ विहारीलाल
हेलालविकहीसोदूसरीनायकाकोहारगलमैंहै यहिदेष्योनायकानेयातेंषंडता पुनःप्रस्न दूसरीनायका
कोहारकैसेजान्यो नायकाकोअर्थतोसवदमैंनही जोनायककादूसराकोल्यायोहोयकिंवाकोऊऔरप्र
कारकरहारआयोहोय ऊतर नायकानेकह्योतुमलालहो रातजगेहोतासोंनैनलालहैं औरपानकीपीक
जावकमहिदीइत्यादिलगीहैं वाहीसोंलालहैआएहो जाकोहारहै पुनःप्रस्न ईहांअंगनकोनामनहीकह्यो लालही
सवदहै अंगनकोअर्थकैसेकरतहो ऊतर योअर्थकीजे नायकाकहितहै तुमहेलालविहारीहो विकही। दूसरेहा
रपायआएहो पुनःप्रस दूसराकोनसोयाकोअभिप्रायकहा ऊतर हारतोसगुनहोतहै तुमैंरेहारनिर्गुनहै याते
दूसरोहारकह्यो सोतुमविहानीहो दूसरेहारकोधारनवारेहो। यामैषंडतापुस्नभई धीराषंडताहै कोपनहीकीयो
औरअर्थ जसोधांसोधायकोवचनहै सीसमुकटइत्यादि हेजसोदायहिजोइनकोवानकहैतामैंतेरोमनवसोसदा अरतंसदाविहारीकोलालक
हितल्लडाव यहिमेरीअसीसहै लाडसवदतेधायजानी धायकेलाडहीहोतहै अरुलडावनोमाताईकरतहैपुत्रको। यातेंजसो

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वि॰स॰
१५

L5

अतअदभुतकह्यो तहांअदभुततोभयोअतकह्यो तहांउतर दोहामेंकह्योहै स्यामकीमोहनदिअरति स्यामवलुमनको
नहीमोहत ईहांस्यामवल्लमनकोमोहतहै यातेअतअदभुत औरप्रस्न याअर्थमैनतोअदभुतहै नाअतअदभुतहै दो
ऊवातनहीवनत क्योतुमनेकह्योअंतरधरीवस्तनहीदीसत तोकोऊकोऊवस्तुताअैसीहै जोअंतरअरूवाहरदीसत
है तिनकोजिवावतहै जैसेदीपकपानसकेमध्यहोतहै अरूवाहरदीसतहै तिनकोजितावतहै अरु मुखजीनेपदकेभीतरहो
तहैनायकाको अरूवाहरदीसतहै अरूझीनेवादरमैचंदरवाऊवाहरदीसतहैं अरुपाखानैभीतरहोतहैअरूवाहरदीसतहै इत्या निरमलजलके
दि अैसीवस्तुतोहोतहीहै ।अदभुतक्योकहीः उतर ।वस्तजोतुमनेगिनीहैतेसभअदभुतहीहै क्योजगतरीततेनईविधहै इन
मैसोअदभुतहीहै जगतरीततेनईविधहायसोअदभुतहीहैकहीएहै यातेसर्ववस्तअदभुतहीहैं पातेवहिवीअदभुतहै पुनःप्रस्न
जोवस्तएकठौरजगतमैदेखीःवहिअदभुतनहीकहावत अदभुतवहीहैजोएकठौरहीदेखीः वहिऔरठौरनदेखीः एकवस्
तोजहांतहांदिखीसहैईदेतहै ।अदभुतक्योंकहीः यातेतोअदभुतनहीवनत औरअतकोअर्थवीनहीवनत यामैभीप्रसहै
तुमनेकह्योस्यामवल्लमनकोमोहततहैयहिअंतरअदभुत तोकेतीकवस्तुताअैसीहै जोस्यामहीमनकोमोहततहै वहिवातस
त्यनहीहैकस्यामवल्लनियमकरकेनहीमोहत नेत्रनकीपूतरीस्यामहीमनकोमोहततहैं तीसकेबार वंकलोचनी
केनेत्रनकोअंजन यहिस्यामहीमनकोमोहततहै औरकपोलकोतिलचिवुककोचिन्हस्यामहीमनकोमोहततहैं ज
हांतिलसतोपमाकहीहै यथा दोहरा छत्रतरोनालटचमरचिवुकसिंघासनसाज सोहततिलमहाराजसोअं
गसदेसविराज औरवलभद्रकवउक्त सिखनखे कनकरसामेरसराजकोनिलयकियोमुकरमैअनुप्रतपको।

वि॰स॰
१५

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

14A

निर्मोहीयाकोपुहकीयो भामनवसोयासवदूर भ्रारअर्थ सोतसोतकोवचन नायककोश्रृंगारदेखके सोतसोतसोव्यंगसोकहितहै
यहिवानकनायककोदेख व्यंगयाहैकिसवकोरंजनकरतहै तेरेवसनहो तवयाकोदूजोसोतनेकह्यो भामनवतो अर्थकियहिवान
कोमेरेईमनमेवस्योहै व्यंगयाहिमेरेकोनहो तववानेकह्योयातोविहारीहै व्यंगयाकोदूकेमननहीवसत तववानेऊतरदीयोविहानीतपै
परमेरेईलाहैरपायोहैमेरेकोनहो मेरेअनुसारहै किंवालालहैमेरेसनेहमेसनेहै पुसोतरालंकार सोतकेप्रश्नकोसोतनेऊतरदी
यो यादोहेकोनामपयोधरहै जाकेअक्षरतोहोयपचतीस३५ जिनमेंवारा१२ हैगुरहोय २४लघुहोयचोवी सोयामैहैदेखले
ने प्रयोजनयाहि ईहाकवनेध्यानकोदोहाधर्योहै ताकोनामपयोधरयातेधर्योहै जोपयोधरनाममेघकोहै सोऊतन
सकेतनमतइसहैस्याम दोहेकोनामहूध्यानमेंमिलतहै किंवाभ्रारप्रयोजन पयोधरसवदअनेकअर्थनकोहै दोहाहूअने
कअर्थनकोहै यातेकवनेपयोधरनामधर्यो मूल दोहरा मोहनमूरतिस्यामकीअतअदभुतगतजोय वसतसुचि
तअंतरतऊप्रतविंवतजगहोय ३ वार्ता ज्ञानीकोवचनहैसिखसो हेसिखस्यामजोहैंश्रीकृष्णदेवतिनकीमोहनीजोहैमूरत
ताकीगतजोअवस्थाहैसोअतअदभुतहै सोतजोयकहितादेख सुचितकहीएसुंदरजोहैचितभक्तकोताकेअंतरभीतरवसतहै
तोवीजगतमेप्रतविंवहोतहै क्यालखायमानहोतहै यहिलक्षनाकरअर्थ जाकेहियेमैभगवानआवतहैताकोजग
तवीऊनहीकोरूपदिखाईदेतहै यातेकह्योचितकेभीतरभीवसतहै तोवीजगतमैलखायमानहोतहैं कोऊपदारथ
किसीकेभीतरधरयोहोयसोवाहरनहीदीसत यहिजगतकीरीतहै सोजगतकीरीतकोछोडकेभ्रोररीतहोयसोअदभुत
कहीए यातेयादोमैअदभुतकह्योहै क्योअंतरचितकेमूरतहैसोवाहरनजरआवतहै योअर्थ ईहाअवाकपुसहै

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

नपरे वामैछायादिखाईदेय ताकोप्रतविंवकहितहैं छायाकोनामतोप्रतिविंव जाकीछायाहैसोविंव श्रीरामचंद्रचंद्रकायां यथा॥
ताकदीपद्युतविभातदीपतमनदीपपांतमानोभुवभपतेजमंत्रनमैराजे प्रतविंवनामयाकोहै अरयहितोदरसआभासहै क्यों
भगवानकीमूरतचितअंतरहै वाहरदिखाईदेतहे यहिदरसाभासकोप्रतविंवक्योंकह्यो पानसमैदीपकादिउदरसआभासही
है प्रतविंवनही यातेयादोहाकेअर्थकोकोऊसवदसमर्थनहींहै याकोसमाधानकैसे तहाउतर याकोअवअर्थकहितहैं जामैअद्भुत
भावनिकसे अरपेरअतअदभुतहूनिकसे जामैयादोऊभावभासेंसोकहितहैं अर्थविध ईहायहिकह्योहैकिचितकेअंतरस्यामकीमूरतहै
सोचितकोनिर्मलतासहीहै पैअर्थकीविधचातुर्यतासोंकवनेकहीहै ताकोप्रकासितहै जैसेकिसीनेपानसकेविचेदीपकधरदीपे
अरजगतरीततेजानईविधहायसोवाकोअदभुतकह्यो अवसोदिखावतहै अवप्रथमतोजगतरीतसुनी॥ जोऊसपानसकेढिंग
दर्पनहायतोपानसअरुदीपदोऊदीसें यहिजगतरीतहै निर्मलवस्तुमैप्रतविंवपरतहीहै दर्पनानिर्मलहुतोबामैदोऊअनकोप्रतविंव
पर्यो सोयहितोप्रसिद्धहै अरकईहाभूरतचितमैवसतहै बाकोप्रतविंवजगतमैदेवीअतहै सोजगततोमहामलीनहै मलीनमैप्रतविंवदिखाई
देययहीअदभुत संसारतोसर्वकेमतमैमैलोहै निर्मलनहीहैं सोईहाकह्योहैतिस्मूरतकोप्रतविंवजगतमैदेखीएहै यहीअदभुतगतभई क्यों
यहिजगततेनईरीतहै जामैप्रतविंवनापर्योचहीए तामैपर्यो यहितोअदभुतसमजोनवीनरीतजोकहीयाते ईहापकप्रस्नअरहै किअदभुत
तोकह्यो अतअदभुत अतकोप्रयोजनकह्य उत्तर अतअदभुतकोप्रभावसुनो यातेअतकह्योहै दरपनकेविचेपानसअरुदीपकदोऊदिखाईदेतहै य
हिरीतनहीहै किदीपकहीदीसेपानसनदीसे दोऊदिखाईदेतहै यहिजगतरीतहै तहांआधारतोपानसहै दीपकआधेयहै जामेरहेसोआधार जो
पदारथरहै[ रहै] सोआधेय सोपानसमैदीपकहै पानसआधारभयो बामैरह्योकोनदीपकसोआधेयहै सोदोऊदरपनमैदीसतहैं यहिजगतरीत
हैअरईहाकह्योहैचितकेअंतरस्यामकीमूरतवसतहै सोचिततोपानसकेसमानआधारहै तामैस्यामकीमूरतदीपकसमानसोआधेयहै सोजा



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

15A

तमतोलको नैनकृतरीऊपमा पैरतमधुपमध्यकिधोंषीरनियनकेमध्यदीपकारहै यथाविहारीकवऊक्त दोहरा
फिरफिरदोरतदेषीयानिचलनैनकरहेन एकजरायेकोनपरकरतकजाकीनैन यथा वारऊपमा नवसिष वलभद्रकवऊक्त मरकत
केसूतकिधोपन्नगकेपूतकिधोराजतम्रभततमराजकैसेतारहै इति .कामरऊपमा वलभद्रकवऊक्त कंचनकेपदपरेसंजनतलफकि
धोवांधेजुगमीनलालपासमेंामदनहै एसर्वकवनइनईकीऊपमातवहीकहीहेजवएमनकोमोहतहै कुतसितवस्तुकीऊपमाकोनक
वकहितहै यातेमृतकोम्रर्थभीनहीवनत म्ररूम्रदभुतवीनहीवनत ऊतर ईहापानुसादकीरीतनहीलैनी म्रोरद्रष्टांतलैने सोजितावतहै
जैसेसंदूकमैवस्त्रनहीदेषीम्रत वहिदिषाईदेयतोम्रदभुत म्रोरदीपकघटकेम्रंतरदिषाईदेयतोम्रदभुत ऊवेमैंमनदिषाईदेयतोम्रदभुत
एकवीसवोएकेंानकहेतुमने ईहाएाईलीजे इनकोतजकेपानुसादक्योंलेतहो गाडेगाढेम्रावरनकीवस्तुतोवहुतहै वेईलीजीए यामै
प्रस्न ईहातोचितम्रंतरकीवातकहीहै तापैद्रष्टांतगाढेगाढेम्रावरनकाक्योंलीजीए चिततोनिर्मलरूपहै पवनरूपहै सवजानतहैं
सोनिरमलवस्तुकेभीतरजोरहेसोतोवाहरद्रष्टम्रावतहीहै इसतेऊपरंतईहास्यामकेभक्तनकोचितकह्योहै संसारीकोचितनहीहैजा
कोमलीनकहीए ईहातोस्यामकेभक्तनकोचितकह्योहै सोम्रत्यंतनिरमलकववरनतहीहै कवधीम्रायो यथा सेवकक्रतसुचसंतगुनसं
तनकेमनहास इत्यादिजानलीजे एऊज्जलवरनेहैं ऊज्जलमैजोपदारथहाय सोवाहरदेषीम्रतहीहै तायेपानुसादिकेद्रष्टांतलगतहैं
गाढेगाढेम्रावरनकेतोद्रष्टांतजोमलीनहायवापैलगेंहै यातेयादोहेकोम्रर्थसमाधानकोकोऊनही म्रदभुतवनतहीनही म्रंतरधरीवस्तुवा
हरदिषाईदेयसोवहुतवस्तुहैं म्ररतुमनेकह्योस्यामवस्तुमनकोनहीमोहत सोवीवहुतठारदेषी यातेम्रतहूकोप्रसवीरह्यो एकम्रोरहू
प्रसभासतहै यहितुमनेजोम्रर्थकीरीतकरीहै यहिम्रसमंजसहै यहिकवनकीरीतनहीहै म्रंतरकीवस्तुजोवाहरदिषाईदेय वाको
नामतोदरसम्राभासहै ताकोनामप्रतिविंवनहीहै प्रतिविंवतोवहिकहावतहै जोदूजीनिरमलवस्तुमैकिसीवस्तुकीछायाम्रा

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

मलमेदययातेअदभुत जैसेघरमैदीपकहोयअरवाकोप्रतिविंवदूजीठारपरे सोअदभुत यामैप्रस मंदरकोदीपकक्योंकह्यीयो याप्र
सकोक्योंनलीयो ऊतर ईहांनिश्चलचितकह्याहै सोनिश्चलचितकोधर्ममंदरमैपैयतहै क्योंमंदरभीनिश्चलहै अरपानसचलाय
मानहोतहै यातेमंदरकोदीपकलीजे यामैतीनप्रसवडेभारीहैं एकतोअदभुतकोभावनीकोनहीनिकसतक्योसंतनकोचितनिर्मलहो
तहै निरमलवस्तुमैरहेसोवाहरदीसतहीहै दूजोप्रस दरसाभासकोप्रतिविंवक्योंकह्यो तीजोप्रस अतकहा ऋमसेंऊतर अद
भुततोयातेहै एकमूरतहैस्यामकी चितकेअंतरअरूजगकोमलमभई अरूवहीमूरतवाकोजगतमैप्रतिविंवतभई सोदरसाभासको
दूखनमिट्यो किंवाअदभुतमूरतयातेहै औरमूरतकेदेखेतेमोहततहोय अरूस्यामकीमूरतकेगुनसुनतहीमोहतहोय अगेमूरत
काविसेखनहै कैसीहैमूरत चितकेअंतरभीवसतहै तोवीवाहरमालमहोवहै जाकेमनमैमूरतहोतहैवाकोजगतमैवहीरूपदि
षाईदेतहै अतकेप्रसकोऊतर अतपदकीअन्वेमोहनपदसों योंअर्थकीजे याहीतेस्यामकीअदभुतमूरतकीगतअत्यंतमोहन
है जोमुनेईतेमोहततहोय अदभुतमूरतयाते जाकेसमानऔरमूरतकोसरूपसुंदरनहीहै यातेअदभुतमूरतकही यहिक
हिनावतहै अरूकीवस्तुतोअदभुतहै ऐसीऔरनही योंअर्थ अतगतयामैछेकानुप्रासहै तृतीयार्थी स्यामकीजोमूहैं
रतहैप्रतमासोमोहनीहै मोहनवानीहै ताकीगतअतअदभुतहै ऊदेसहेसिद्ध प्रतमाकोनामदेवनेदूधपिआयोपीयगई तिसप्र
तमाकेअंतरमध्यमैजोसुचितकहीएनिरमलचितभगतको जोवसेतोवाकोजगतप्रतिविंवतहोय भासमानहोय अर्थकि
तीनोलोककोदिखाईदेयऐसीसिद्धहोय अदभुततोयातेजोदूधपीयो अतअदभुतयातेनामदेवकेकरकोपीयो श्रीरामचंद्रकोयाय
पा जगपकोफलगहितजतननिजगपपुरखकहोय वेरजूठेदासवरीभक्तीराखयाय किंवाअतअदभुतगतमूरतकीयातेहै चित
मूरतमैवसेअरूवाहरजगतसर्वदिखाईदेय अंतरवसनवारेकोवाहरनहीदिखाईदेत यहिभगवानकीमूरतकोप्रभावहै प्रत



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

16A

तमैदोऊकोप्रतविंवपर्यो चहीए जैसेदीपकपानसदोऊअनकोप्रतविंवदर्पनमैपर्यो सोरीतईहानहीहै क्योंमूरतहीजगतमैप्रतविंवतहोत है ॥
चितनहीप्रतविंवतहोतजाकेमध्यमूरतहै यहिअतअदभुतगतभई मूरतकी यामैप्रस्न मूरतहीदिखाईदेतहैचितनहीदिखाईदेतयाहिकाहेतेजान्यो अर्थमै
तोनहीदिखाईदेत ऊपरतेकहिनोजोतनही जैसेपानसदीपकदोऊदर्पनमैदीसतहै तैसेएवीदोऊदीसतहैं एककोंालेतहै। तातेअदभुतहीरह्यो अत
अदभुतनहीहोत उत्तर ईहांएकवाचीसवदहै प्रतविंवतजगहोय यहि यातेएकमूरतहीलीजीए चितनहीलैनो प्रतविंवतजगहैहि जोअैसोपाठहोतो
तोचितहूलेते सोवातरहितोसवदनहीहै यातेएकमूरतहीलीजे चितनहीलैनो पुनःप्रस्न जोकोऊकहैअैसोईपाठहै दोहाको प्रतविंवतजगहों
हि उत्तर तहांकहीए जोयेपाठकहेंगे तोदोहेकीप्रथमतुकनहीमिलत ऊहां अतअदभुतगतजोहि येंचहीए सोनहीहै तहांजोयपाठहै या
तेजोयपाठपरयोयचहीए होहिनचहीए अरुजोऊहांहूजोहिसवदकीजे तोयाकोअर्थनहीवनतदेखनको तातेऊहांहूजोयहूपुष्टहै अरुअंत
मैहोयहीपुष्टहै यातेएकमूरतहीकीप्रतीतभई किमूरतहीजगतमैदेखीअतहै चितनहीदेखीअत यातेअतअदभुत कयोआधारजोचितहै सो
जगतमैप्रतविंवतनहीहोत जोमूरतआधेयहैसोप्रतविंवतहोतहै यातेअतअदभुतगतभई अवएकप्रस्नयामैऔरहै तऊसवदकोप्रयोजनकहा उत्तर
याकोयोंअर्थकीजे किमूरतजोआधेयहै सोचितआधारमध्यवसतवीहै परतदभीआधेयहीदीसतहै आधारचितनहीदीसत योंअतअदभु
तगतभई ईहांप्रथमभेदविसेषालंकारहै लछन सोविसेषआधारविनजहांअधेयदुतदेय चितअधारदीसतनहीमूरतदिपतअधेय य
हिप्रथमार्थो द्वितीयप्रकारअर्थकीभमका होसिद्दस्यामकीजोमोहनीमूरतहै ताकीगतअतअदभुतहैतंदेख वसतसोचितअंतर सकही
एसंदरजोचितहै कपाटदृढचितजोहै कोनसोनिश्चलचितताकेभीतरवसतहै तोवीचितमैतेजगतकोप्रतविंवतहोतहै अथाकिजाकेचितमै
स्यामकीमूरतवसतहै ताकोसभकहितहैकिसिद्धहैयहि याकेमननारायणहैं यहिजगतमैमालूमहोतहै निश्चलचितमैवसकेवाहर

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

तरकोअर्थदृजोकह्योहै यामै ज्ञदायगीको। तीजोप्रस्न जोपतसोंअंतरोराखतहै तापरकीआभई स्वकीआनभई चौथोप्रस्न इ
हातोजगतकह्योहै प्रतविंवतजगहोय तुम्है सवृजअरुसखीगनकोक्योंलेतहो। पांचमोप्रस्न मानकह्योछूट्यो यातेमानमोच
नहोय तहाक्रमसोंउत्तर पहिलेपुनरुक्तदूखनकोउत्तर योअर्थकीजे नायकासोंसखीकहितहै हेनायकातेरीअतअद
भुतगतहै त्वंयांगतकोआयहीजोयक्यादेख हेप्यारी दूजेप्रस्नकोउत्तर विखकोअर्थयोंकीजे मै ऊपरतेआवतहैसवदमैनहीतोनही ए
समासकहावतहै जहा मै ऊपरतेपरे वसतस्वचित याकोअर्थचित्तमैवसतहै मैकोऊपरतेलगायलैनो समासलछन भाखाभूषनटीकायां यथा दोहा
हरकवऊक्त जोसोंकोकरलीएतेकोमैआनहिहोय पहिहैजाकेअर्थमैलहितसमासहिसोय जोसोंकोकरइत्यादिसवदसमूहमैनहीरहै अर्थकरतमैजा
न्योजायतहासमास यातेवसतस्वचितयाकोअर्थ चित्तमैवसतकरी। तीजेप्रस्नकोउत्तर पतसोंअंतरोराखेतोपरकीआक्योंनहोय उत्तर य
हिनायकापरकीआईहै स्वकीआनही पुनःप्रस्न जोस्वकीआनहीतोयाकोस्यामकीस्त्रीक्योंकहो उत्तर योंअर्थकीजे यथार्थ हेस्यामकी
स्त्री तेरोप्यारस्याममैमूलतेनही यातेतेरीअदभुतगतहै क्योंस्यामकीस्त्रीहोयकेस्यामहीसोंमोहनकरनो यामैप्रस्न अतअदभुतकहा ऊ
त्तर स्यामकीतीयह्वैकेस्यामसोंप्यारनकरनो यातेअदभुत औरतोकोअवमनावनआएहै तोवीकंनहीमानत यातेअतअदभुतगतभ
ई तवनायकावोली वसतस्वचितअंतरतज्यू हेसखीस्याममेरेभलेचितमैंक्याअंतरेतेरहितजो। चितहैतामैवसतहै परतदवीआसों
अंतरोराखतहै। स्यामतोआसैंहै तवसखीनेउत्तरदीयो हेनायकाइनकोअंतराजगतमैजाहररहोतहै नहोतहै ध्वनियाहै तेरामा
नतोजगतमैप्रतविंवतहोतहै चौथेप्रस्नकोउत्तर जगततेसखीजनक्योंलेतहो। उत्तर जगतयारेकोभीनामहै सारेजगतकोभीहै
याग्रंथकेदोहाईकीसाक्षीदेतहैं जगजानीविपरीतरतलखविंदुलीपीयभाल ईहाजगततेसखीजनहीलैनी सोईहावीसखीजनलैनी



CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

17A

विंवहोतकोयेअर्थकीजे जाकोचित्तभगवानकीमूरतकेभीतरवस्यो फेरवाकोसरूपरूनजगतरूपमूरतकोप्रतविंवदिखाईदेतहै
कियहिजगततोमूरतहीकोप्रतविंवहै अर्थकिअद्वैतभावजातरहितहै तऊकोअर्थयहि चितमूरतकेभीतरभीवसतहैपरत
दनीवाकोतीनलोकप्रतविवतहोतहैं किंवायहिजगतकोप्रतविंवहोतहै जाकोचितभगवानकीमूरतमैवसेहै सोवहिविंव
मूरतकोप्रतविंवहोतहै जगतवाकोभगवानकीमूरतकोप्रतविंवजानतहै कियहिवाहूकोरूपहै चतुर्थोर्थ मोहनमूरतस्याम
कीहै ताकीयहिअदभुतगतअत्यंतदेषो किसचितकहीएसचितकीयेते अंतरछिदेमेसिद्धकेवसतहै सचितनामकहेतवसतहै
ईहाप्रस्न ईहासचितसवदहै सचितक्योंकरहोय उत्तर गुरलघुलघुगुरहोतहैनिजइछाअनुसार तोभीजगतमैप्रतविंवत
होतहै जाहरहोतहै यहिअदभुत प्रस्न अतअदभुतयाकोभावकहा उत्तर मूरतदेषेतेमनमैवसतहै याहिजगतरीतहै अरुस्याम
कीमूरतसचितकहितहीमनमैवसतहै यहिअदभुतगतभई फेरलोकनमैजाहरहोय याहिअतअदभुत पंचमअर्थसिंगा
रपक्ष नायकामानवतीहै अरुनायकमनामनआयोहै माननीसोंनायककेपक्षकीसखीकोवचन मोहनमूरतिस्याम
कीं तिस्यामकीयाकोअर्थ हेतिकहीएस्त्रीस्यामकीकलकीतस्यामकीकांताहै तिभीस्त्रीकोकहितहै प्राचीनकवऊक्त वांधी
रससरीतरससरीतिडारीकूपमैतेमैमोहनमूर तोहमोहजोहैप्यारसोमरकयूभीनहीहै अतअदभुतगतकीकजाअदभुततराहिकीजोय
स्त्रीहै जैसेकोऊकहेअमुकाअवजतारिहकोआदमीहै यहिवालनिहै वसतसचित नायककेसुंदरचितमैतुंवसतभीहै अंत
रतऊ याकोअर्थ तोभीजदायगीराषतहैं अंतरनामअंतरेकोहै सोवहितेरीजुदायगी जगतकहीएवन्नकिंवासषीगनतामैजा
हरहोतहै वेसर्वजानतहैकियाहिस्यामसोंअंतराराषतहै योअर्थ अवयामैपांचप्रस्नहै एकतोप्रस्नयहिकिप्रपमंतीकहिकेफेर
जोयकोंकह्यो दूजोप्रस्न स्यामकेचितमैंतुंवसतहैं सोविषेकोअर्थकैसेकरतहो सवदमैंतोनहीहै जोकहोअंतरहै तोअं

विषे

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वि॰स॰
२५
19

वतहोतहै औरअर्थ सखीनायकासोंसिक्षाकहितहै तूंनायकसोंनाहीनाहीनाकयाकर तासोंनायकाकहितहै हेसखीमो
हनअरतस्यामकी यहिजोमोहनकहितामोहकोनकारहै अर्थकिसनेहकोजोनकारहैसोअरतस्यामकीस्यामकहीताअंगा
ररसकीअरतहै अत्यंत अरुहेसखीयाकीतूंअदभुतगतकोजोयकहोइय वसतसचितयाकोअर्थ सचितजोहैभलाचित
नायककोनामैयहिनकारवसतहैमेरा अरुफेरयहिनकारकैसोहै जिसनकारमैजगतविषेकिंवाजगतको अंतरत
प्रतविंवतहोतहै सातजोहैअंतरतसोयानकारमैजगतकोप्रतविंवतहोतहै अर्थकिसप्रअंतररतकीछायाइससनेहकोंनें
कारमैपरतहै याअर्थमैचारप्रस्न एकतोयहिप्रस्न सनेहकोनकारअंगारकीअरतहै इतनैमैईअर्थहोतहै अततसवदकोप्रयोजनकहा
अत्यंतअंगारकीअरतक्योंकही दूजोप्रस्न जाकीअदभुतगतहै अदभुतकोभावकहा तीजोप्रस्न प्रीतमकेमनमैनकारवस
जायतोरसकीहीनताहैजाय किनायकातानकारकरतहैमैसपर्शकैसेकरें चोथोप्रस्न अंतरतरूप्रतविंवतहोतहै ईहांहूवर्न
निरर्थकहै तहांक्रमसोंउत्तर प्रथमअतसवदको अतपदकीअन्वैमोहनपदसो अत्यंतमोहकोजोनकारहै अर्थकिजिससने
हमैकछूरंचककपटभीनही ऐसेसनेहविषेनकारअंगारकीअरतहै पुनःप्रस्न ऐसेसनेहकोनसोजानीए जामैरंच
ककपटवीनही उत्तर सनेहतोदंपतनमैहोतहीहै परजहानायकातोउत्तमाखकीस्वाहोय औरनायकअनकूलहोय त
होनिसकपटसनेहहोतहै वहिअत्यंतसनेहहै उससनेहविषेनकारहेसखीअंगारकीअरतहै याअर्थमैसाध्यवसानालक्षना
स्यामरंगतेअंगारलीनो दूजेप्रस्नकोउत्तर अदभुतकोभावनकारमैकहा याकोअभिप्राययहिहै जिसवार्तामैतनकऊठहोय हे
सखीवाहिवार्ताकाहूकोमीठीनहीलगतहै औररसीकेमुखमैस्वरतारंभमेनकार निर्केवलऊठाईहोतहै सोवहिसुधाहूतेमीठी

वि॰स॰
१५

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

18A

काकुकरसखीकहितहै लालकोअंतरोसखीजनमैप्रतिविंवतहोतहै नहोतहै यहिकाकोलिअलंकार सुचितमैवसकेअंतरोनहीतज्यो या
तेअतदगुनाअलंकार अतदगुनजहांसंगकरसंगीकोगुनलेन ईहांस्यामनेसुचितकोसंगकरकेयाकोगुननहीलीयो मानवोलनमै
अस्नेहा सत्यमार्थ राधांजूपक्ष स्यामकोमोहनअरतजोहैराधांजीताकोअतअदभुतगतहै क्योंस्यामजूकोइष्टदेवहैंयाते राधिकामम
देवता औरअर्थसर्वपर्वोधवतजाननो भक्तकोवचनहै मध्यमार्थ चित्रदरसनपर नायकानायककोचित्रदेखतहै सोअपनीसखीसें
कहितहै हेसखीयहिस्यामकीजोअरतहै सोअत्यंतमोहनहै क्योंअरततोमोहनक्करतहीहै यहिअरतमोहनकरतहै यातेअतमोहनअ
रतहै अरुयाअरतकीगतकीऊअदभुतहै [त] जोयकहितादेख स्यामतोचोरीकरतहीहै यहिऊनकीअरतहूचोरीकरतहै चितकोचुराव
तहै वसतसुचित हेसखीसोस्याममेरेचितमैवसतहै जिनकीयहिअरतअतमोहनीहै वेकैसेहैं चित्तमैवसतवीहै तोभीजगतमैक्यासखी
जनमैप्रतविंवतहोतहै ऊनकीऊतकोप्रभावसवकेअंगमैपरतहै ध्वनियहिकिसर्वकोचाहतहैं औरअर्थ नायकाकोसखीकहितहै
हेराधांतेस्यामकीमोहनअरतहै अरूपेरतेकैसीहै अतिअदभुतगत अकहीगाविलस ताकीतीलक्ष्मीतिसकेसमानतेरीअदभ
तगतहै यावातकोजोयकहितादेख वसतसुचित तेऊनकेविवेसुचितक्यानिसंदेहवसतहै दुचितीनहीवसत तातेजगतमैप्रत
विंवतहोतहै सवजानतहैकिऊनकेअंतरश्रीराधांजूवसतहै औरलक्ष्मीकीभीयहीगतहै अंतरभौरैसुचितवसतहै अरुवाहरज
गतमैमालमहोतहै औरअर्थ किसूनेयाचकरकरधनसंग्रहिकीयोहै तासोंसाधकोवचन हेजीवतेरीअरतजोहैसोस्यामकहि
तापापनेमोहनमूर्छितकीकहीगाकरीहै अत्यंत अवतेंअदभुतगतजोहैभगवान अदभुतहैगतजाकीऐसेभगवानकोजोयकहितादे
ख किंवायहिसंपतातेरीव्यर्थहै अदभुत अदकहीगाविसुदायजोसंपताहै जिससंपदातेविसुप्रापतहोय वहिजोसंपदाहैताकी
गतजोहैप्राप्तीऊसकोतदेख यातेतेरोकल्यानहोय फेरवेविसुकैसेहैं भक्तनकेचितकेभीतरवसतहै ताभीजगतमैप्रतविं

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वि॰स॰
२॰
20

हेसिततंतीरथनकोतजकहिताष्टाउ हरिराधिकांकोजोहैतनग्रोरउतिकहितासोभातामैंअनुरागकहितासनेहकर जिनकेसुंदरअंगन
कोबनावहै अरुसुंदरकांतहैजिनकी जोसितसकहेतीरथनिमैविसेषफलहै तिनकोकैंतजीए तवगुरुकहेहैं जिहिब्रजविषेक्रीडाकरवे
कोजोहैनिकुंज ताकोजोहैमारगपथतहांपगपगमैंकहाएकएकपगप्रमानजोहैधरनीतामैंतीरथराजजोहैप्रयागसोहोतहै ईहालछनार्थहै पग
पगमैंप्रयागहोनोअसंभवहै तवलछनातेप्रयागकैसोफलहोतहै अर्थयहितीर्थमतजाय ब्रजमैंवेजोराधांकृष्णहैतिनमैंप्रेमकर काव्यलिं
गअलंकारहै भाषाभूषनयथा दोहरा काव्यलिंगजवजुक्तसोंअर्थसमर्थनहोय तीरथत्यागनकोजुक्तसोंसमर्थनकीयो यातेकाव्यलिंगअलं
कार गकारतेवृत्यानुप्रास लछन अछरसमतावारवहुसोवृत्यानुप्रास पगपगमग याते परसंख्याअलंकारहै अर्थनिषेदएकथलदूजेथल
ठहिराय परसंख्यातांकोकहेंसवलसवसमुदाय ईहाएक[illegible]स्थलतीरथनकोअर्थनिषेदकीयो दूजेस्थलठहिरायोप्रयागहोतहैयामैं यहि
अछरार्थ यामैंएकप्रसहै ईहातनउतपदजोहैयहिअधिकहै क्योंहरराधांमैंसनेहकर इतनेईमैंअर्थहोतहै तनउतसवदकोप्रयोजनकहा तहांउत्तर
ईहाप्रयागकोरूपतनउतपदहीतेकह्योहै क्योंराधांकेतनकीदुतगोर सोगंगा भगवानकेतनकीदुतस्यामसोजमनाहै अरदोऊनकेविषेजोअनुरा
गहै सोसरस्वतीहै पुनः प्रस्न अनुरागसवदतेउपदेसकेअर्थमैंहै तेअनुरागकर दंपतनमैंसनेहकैसेलीजीए उत्तर द्वितीयअर्थकीभमका हेजीवतंती
रथतजउपदेसतोयाहीमैंभयो आगेतीरथतजनकोपुष्टकरतहै हरराधिकातनउतकर हरकेतनकीउतिकरकेराधिकांकेतनकीउतकरके अरुदंपतनअनुरा
गकरके करसदहेहनीदीपकहै जिसब्रजविषेकेलकोजोहैनिकुंजवाकोजोहैमगपथतामैंदोऊनकीदुतिकरकेअनुरागकरकेपगपगमैंप्रयागहो
तहै ग्रोरप्रस्न ईहातोकह्योपगपगमैंप्रयागतुमनेकह्योतनकीउतमैंयहिअर्थकैसेलगे उत्तर यांअर्थकीजे हेजीवकेलनिकुंजमैंजोदोऊनकीउतक
नअरुसनेहकर प्रयागहोतहै वाहीकेमार्गमैंतूंपगपगक्योंलीनहोइ लीनहोइ निश्चयार्थकेहेतद्वैवारपगपगकह्यो जैसेकोऊकहेतूंअमुकीवातकरवकरनि
श्चै तूंइसीप्रयागमैंपगपगदेरनकर पंथपंगवीपसा ग्रोरप्रस्न ईहातीरथतजन यहितीरथनकीनिंदाकोतनकसोदोषहै उत्तर ईहाअनुज्ञालंका
कारतेअर्थपुष्टहोतहै लछन अंगीकृततजदोषजहांवडगुनलाभविचार जहांवडेगुनकोलाभविचारकेतनकदोषकोअंगीकारकरीए तहांअ

वि॰स॰
२॰

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

19A

लागतहैनायककों पातेरसनकारकीअदभुतगतहै तीजेप्रस्नकोउत्तर नकारप्रीतमकेमनमैंवस्योनचहा॥ याकोयोंअर्थकीजेव
सतसुचित नायकाकहितहै हेसखीनायककोभलोचितयानकारहीमैंवसतहै माप्रयतेकछूभिसकरकरनायकनकारहीकहावतहै या
तेमैंजान्योनायककोचित्तनकारहीमैंवसतहै चोथेप्रस्नकोउत्तर ऊर्निरर्थकहै यामैंध्वनिकोचमत्कारहै निरर्थकनही जिसनकारमैंस
प्रअंतरतऊकीछायापरतहै ध्वनियहिआप्रवहिरततोहोतहीहैयानकारमे क्योंज्योंज्योंनायकानाहीनाहीकरतहै त्योंत्योंनायक
आलिंगनचुंबनपरसइत्यादिवहिरतकोआतुरहोय सोयातोहोतहीहै यामैंसप्रअंतरतऊप्रतिबिंबतहोतहै याहिचमत्कार ऊ वर्नते
निकसतहै यातेनिरर्थकनही चारोंईप्रस्नकोउत्तरभयो अवएकप्रस्नऔरहै ईहानायकअनकलकैसेजानी॥ जातेअतिसकपटसनेह
पुष्टहोय उत्तर नायकाजावोकहितहैकिभलोचितहै तोयातेअनकलजान्यो भलोमनअनकलहीकोहोतहै धृष्टसठकेमनमैंकपटहोत
है अरुजाकोसखीकहितहै कंनाहीपतसोंनकस्योकर यामैंभलीरसीनकीपतिव्रताजातहै पतकीअवज्ञाकीयातेयामैंनायकास्वकीआप्र
छभई उत्तरालंकार नायकाकेउत्तरतेसखीकोप्रस्नजानपर्यो किप्रथमसखीनैंऐसेकह्योहो तोवाकीवातकोनायकानेउत्तरदीयो
यातेउत्तरालंकार उत्तरतेजहालखपरेप्रस्नसुउत्तरजान औरअजुक्ताजुक्तअलंकार दोहा लछन अनुभवसभयेहजातजहासुहै
अजुक्ताजुक्त ईहानाहकरयोअजुक्तहै परसनेहमैंनाहीजुक्तहै मोहनअरतमकारतेव्रत्योअनुप्रास जोवहिरंगसखीकीउक्तल
खतासोंहोय तोयोंअर्थकीजमवा तंहमसोंक्योंअकरतहै स्यामकीअत्यंतमोहनैंअरतकीगतहीअदभुतहै क्योंतेरेचित्तकेभी
तरवसतहै अरतंअकरकेछिपावतहैं परतोभीसखीजनोमैंप्रतिबिंबतहोतहै औरहूंजोहोयसोलगावनो योंअर्थ यादोहेको
नामजकलहै जाकेअक्षरतोसर्वऊनतालीसहोंय जिनमेंगुरु ९ होय लघु ३० होंय सोजकलहोतहै यामैंसर्वहैं मूल दोहरा तज
तीरपहनराधिकातनडतकरअनुनाग जिहिव्रजकेलनिकुंजमगपगपगहोतप्रयाग ४ टीका गुरसिक्षकोउपदेसकरेहै

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वि॰ स॰
२१

21

हिताार्थ ईहातीर्थदायअर्थकोसवदहै तीर्थकोभीनामहै अरुदरसनकोभीहै सोतीर्थमैतोप्रसिद्धहै दरसनमैनिहतार्थ
है अवताईदरसनमैकिनहूप्रयोगभीनहीकीयो ईहाकीयो यातेनिहतार्थदूषनभयो उत्तर याकोसमाधानकरतहै स्लेष
मैजमकमैचित्रमैनिहतार्थदूषनगुनहोतहै यहिदूषनोद्धारमैकह्योहै कुवलयानंदमेयथा दोहा अप्रयुक्तनिहतार्थगुनस्ले
षआदिमैजान ईहास्लेषहै यातेयामैनिहतार्थदूषनहूगुनहै श्रृंगारपक्षअर्थपंचम उरुवनीव्रजसोजायकेव्रजदेवनकीअवस्थाश्रीकृस्नसोकहितहै हेहरजोराधाजी
जानतीतुमफेरनहीआवोगे तोतुमारेरथकोहेहरिराधिकाजीतजतीनतजती पकररावती तुमारेतनकीदुतिमैसनेहकरकेरथकोनतजती किंवातनमैदुतिमै
अवरूहाकीकहादसाहै त्रिविव्रजविषेक्रीडाकरिवेकोजोहैनिकुंजताकोजोहैमगनाहतामैपगपगविषेप्रयागहोतहै कुंजदेषकेपिछलीलीलासुधिआवतहै सो
रुदनहोतहै तहाआंसुकोरंगतोस्वेतहै अरुजोकाजरदीयोहै तासोमिलकेवहिजलस्यामहोतहै पायनपरसेजलगिरतहैवहाजावकसोमिलकेलालहोतहै याते
प्रयागहोतहै गंगाजीकोजलस्वेत जमुनाजीकोस्याम सरस्वतीजीकोलाल ईहाप्रस्न विरहिमैकाजरजावकएश्रृंगारतोनहीवनत सोक्योंकह्यो उत्तर श्रृंगार
तोप्रथमहीकेकीयेहुते नवीननहीकीए पुनःप्रस्न जोप्रथमकेहै तोयामैजान्योयहिरुदनअवहीभयोहै क्योंजोरुदनप्रथमहुतोतोकाजरजावकनरहितेजलकरके
सोयाश्रेविरहिनहीव्याप्यो अवहीभयोहै उत्तर जलकरकेकाजरजावकजोजातरह्यो परअंगनमैसुभाविकजोस्यामताअरुनताहैसोनहीगई यातेका
जरजावकासहितसिंगारलैने राधाजूकेअंगमै यामैप्रस्न सुभाविककीस्यामताअरुनतातेतोआंसुस्यामलालनहीहोत स्यामलालतोतवहीहो
यजवअंजनजावककोरंगमिलजाय उत्तर योंअमको सषीसोंसषीकहितहै नायकाकोविरहिदेष ईहानायकापरकीआहै यातेश्रृंगारकीएहै
प्रीतघपावनकेलीएसोछिपीनही कुंजदेषरुदनादिकहूआयो किंवाश्रीकृस्नकेविछुरनकरताताकालहीविरहिभयोहै यातेसर्वश्रृंगारवनेहू
एहै काकोक्तिअलंकार तजतीरथकोनतजती विसेषोक्तहै होतनकारनहततेउक्तविसेषविख्यात विरहिछपावनकोउपायकीयो

वि॰ स॰
२१

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

20A

नुतामलंकारहोतहै सोयहातीरथनकोतजनयहितनकेदोषहै अरुदंपतनिमैतीरथराजहै वाकीलाभवडीविचारकेइसतनकेदोषकोअंगीकारकी
यो अलंकारमाला यथा दोहा दोषजनाचीअतकिहूंगनलहेअनुजऊरोत सविइगहोयनिलजताजोहरदरसनहोत औरप्रश्न इक्देवनकेप
गनमैसनेहकवकरतहैं अगसोभामैसनेहकेरकछुन्यूनताहै उत्तर द्वितीयअर्थ तनइतिकहिताविस्तारहैइतसोभाजिनमै मैसेजोहैहै केल
रिअरुराधातिनमैसनेहकर अरुतीरथकोत्याग क्योंजिहिकहिताजिसइतकेविस्तारकरके व्रजकेलनिकुंजमग व्रजमैकोजोहैनिकुंजवा
केराहविषैदंपतनिकेराकएकपगमैप्रयागतीर्थराजहोतहै राधाजकोचर्नगोरगंगा जावकसरस्वती स्यामलमनकेभयनजमुना
हाटकघटतमनस्यामलजटत कवप्रीया क्रसकोस्यामपगजमुना पगतललालसरस्वती हीरनकीअवलीपगमैगंगा श्रीरा
मचंद्रचंद्रकायां यथा स्यामदुवोपदलालललसेइतयोंजलकी मानहुसेवतजोतगिराजमुनाजलकी पाटजटीअतलालसुहीर
नकीअवली देवनदीकनसेवतमानहुभातभली केलकेनिकुंजमैभखनहीकोपहिरआवतहैदंपत यामैप्रश्न इहाभखनोकीसो
भाकोयागृहिनकरी श्रीराधाक्रसद्रकीसोभाकहिनीथी उत्तर उनहीकीसोभाकेविस्तारकरकेपगधरनमैप्रयागहोतहै क्योंस्या
मरंगश्रीक्रसदेवकेपगनको गोररंगराधाजकेपगनको अरुपगतलिनकोलालरंग योप्रयागहोतहै गंगाजमुनसरस्वत
इ तीनोप्रयागमैहैं इहापगकोसनेहकव्योसोउत्तमहै चतुरपार्थ हेजीव कातनइत याकोअर्थ यहितनसरीरकीइतसोभाकाको
अर्थक्याहै अर्थकिकछुनही छिनभंगहै याकोतीरथजोहैदरसनसोतंतज दूरकर हरराधि याकोअर्थ हरजोहैंभगवानता
कोराधकआराध जिहिकहिताजहाव्रजमैउनकेकेलकरनेकोजोहैनिकुंजवाकेमगकहितारहकेजोहैंपगपवृक्षतिनकोअन
रागसनेहकरकेगहोक्यापकरा यहीतपहै अरुयहीजज्ञहै इनतेआरजगपतपदूजोनही योअर्थ वैलैकावचनजगपासीसो
याअर्थमैनिहिताचैदूषनहै लक्षन कववल्लभे दोहा दोयअर्थकोसवदजहाअप्रसिद्धलेअर्थ छाडप्रसिद्धहिकहितहैंतहाद्दूषननि

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

वि॰सं॰
२२

284

वि॰सं॰
२२

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

22 21A

अंगरागादिकरकेसानछप्या यथार्थ सखीकोवैनविरहनीसें हेनाधिकाअवतं तीरथहरिको याकोअर्थ दरसनहरिजोहैविरहि जिसनेतेरोदरसनहर्योहै जैसेजो
तीरथहरविरहिहै ताकोतंतज़दूरकरअव केयानायकआतेहैं भैल्याईहोइनको अरुतनकीसोभामैसनेहकर अर्थकिअंगावनकोसाज़ तेरीसोभाकिंवातवैसीहै जिसकरकेव्रजमैकेलकोजोहैनिकुंज
वाकोमगजोहैराहवाविषेपगपगमैप्रयागहोतहै यहिसन्याहैकिंवादेख्योहै जवैं[कुं]जमैंदेखकेतंचरनधरतहै तवस्यामस्वेतनेत्रनिकोप्रतिविंवपरतहै पावनकोलालयातेप्रयागहोतहै सोसखीकहितहै
जिससोंभाकरकेप्रयागकुंजमैहोतहै वहिसोभातंआजतज आरअर्थ सखीविरहिकोकहितहै हेतीरथहरदरसनकेहरनवारेविरहिअवतंराधकाकेतनकोतज कैसोहैतं इतकरअनुराग
याकोअर्थ सोभाकोजोहैकरडंडतामैतेराअनुरागहैसनेहहै तंसोभाईकोडंडलेतहै फेरकोनसीसोभाकोडंडलेतहै जिससोभाकरकेकेलनिकुंजकोमार्गपगपगविषेप्रयागहोतहै
11 उससोभाकोतंडंडलेतहै सोजितावतहै नेत्रनकीस्वेतताकोप्रतिविंवअमैपरतहै सोतंअदिनादिककरके गहिनेकरदेतहैं स्यामकाजरकोप्रतिविंवपरतहै सोतंआसुनकेप्रवाहकरनिकास
देतहै अरुघराकीमहावरकोलालप्रतिविंवपरतहै वाहूकोधोयदेतहैनेत्रनकेजलकर जैसीसोभाकोप्रयागतंदूरकरतहैं अदनादिकवलियेहैं यातेकरुनाविरही प्रोषतपतिका

CC-0 Panjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative